जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 259 प्रभात कोटा, गुरुवार 3 जुलाई, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी की ''कोर टीम'' के सदस्य अधिकतर पी.डब्ल्यु.डी मिनिस्टर हैं, कांग्रेस शासित राज्यों में

हरीश चौधरी, गहलोत सरकार में राजस्व मंत्री थे, विजय सिंगला पी.डब्ल्यु.डी मंत्री थे पंजाब की कांग्रेस सरकार में, बायरागौड़ा कर्नाटक में पी.डब्ल्यु.डी. मंत्री हैं आदि, आदि

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जुलाई। राहुल गांधी की कोर टीम में ऐसे पुरुष और महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें उनकी सादगी और झोला छवि के आधार पर चुना गया है।

वे जूते नहीं, बल्कि चप्पल पहनते हैं, ब्रीफकेस नहीं, बल्कि झोला लेकर चलते हैं, ये सादगी पसंद लोग कुर्ता-पायजामा पहनते हैं और उनके कपड़े सामान्य और औसत दर्जे के होते हैं।

इन्हीं मानदंडों के आधार पर उनकी टीम का चयन हुआ है, और यही लोग राहुल गांधी की ''नई कांग्रेस'' के चेहरा, आंखें और कान माने जा रहे हैं, जिसे राहुल संवारने की कोशिश कर रहे हैं।

इनमें से कई अब तक पर्दे के पीछे काम कर रहे थे, लेकिन अब उन्हें एआईसीसी की संरचना में प्रभावशाली पदों पर बैठा दिया गया है और वे उन राज्यों में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं, जहां कांग्रेस सत्ता में है या जहां जल्द ही चुनाव होने वाले हैं।

- राहुल की कोर टीम के सदस्यों के लिए, कांग्रेस का पुराना सिद्धांत, कि एक व्यक्ति, एक ही पद पा सकता है, भी लागू नहीं होता। उदाहरण के लिए, कृष्णा अल्लूवेरा, बिहार के प्रभारी हैं तथा साथ में वे यूथ कांग्रेस के भी इंचार्ज हैं।
- राहुल की कोर टीम पर, ऐसे कई परंपरा व कानून कायदे लागू नहीं होते, जो साधारण तौर पर सभी नेताओं पर लागू होते आये हैं। यह अलग बात है कि कोर टीम के सदस्यों ने अभी तक कोई भी चमत्कारिक लाभ नहीं दिलवाया है, कांग्रेस पार्टी को। बल्कि, जहाँ-जहाँ ये लोग सक्रिय हुए, कांग्रेस पार्टी का जनाधार लगातार घटता ही जा रहा है, उनकी कहीं भी जवाबदेही नहीं पूछी जा रही है।

इनमें से कई राज्य बेहद महत्वपूर्ण हैं और उनके चुनावी नतीजे कांग्रेस के भविष्य के लिए निर्णायक हो सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी ने निर्णय ले लिया है, और जब उन्होंने फैसला कर लिया तो किसी तरह की असहमति की कोई जगह नहीं रह जाती।

यह टीम केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में काम कर रही है और इसमें माणिकम टैगोर, मीनाक्षी नटराजन, कृष्णा अल्लूवेरा, सचिन राव, हरीश चौधरी और भंवर जितेन्द्र सिंह शामिल हैं।

इन्हें लगातार प्रमोट किया जाता रहा है और विभिन्न राज्यों में प्रमुख जिम्मेवारी दी गई हैं, और कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटियों में जगह दी गई है, लेकिन नतीजा शून्य ही रहा है, क्योंकि पार्टी प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। बावजूद इसके, इन्होंने यह ज़रूर सुनिश्चित किया है कि वे सुर्खियों में बने रहें।

इनमें से अधिकांश नेताओं का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, लेकिन राहुल गांधी का इन पर विश्वास अब भी अडिग है।

एक दिलचस्प बात यह भी है कि जिन राज्यों में कांग्रेस सत्ता में रही है या सत्ता में है, वहां लोक निर्माण विभाग मंत्री और राजस्व मंत्री ऐसे लोग हैं, जो राहुल गांधी या उनके करीबी समूह से जुड़े हुए हैं।

उदाहरण के तौर पर, राजस्थान में गहलोत सरकार में हरीश चौधरी राजस्व मंत्री थे। विजय सिंगला, जो अब कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष हैं और पार्टी की संपत्तियों के प्रभारी हैं, पंजाब की कांग्रेस सरकार में सार्वजनिक निर्माण मंत्री थे। वहीं, बायरगौड़ा भी राहुल गांधी के नज़दीकी माने जाते हैं, और वे कर्नाटक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

21 जुलाई से शुरु होगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली, 02 जुलाई। भारतीय संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। यह 21 अगस्त तक चलेगा। संसद के मानसून सत्र से जुड़े प्रस्ताव को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दे दी है। हालांकि इस बीच स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर 13 और 14 अगस्त को कोई बैठक नहीं होगी।

मालूम हो कि मानसून सत्र में 23 दिन तक संसद में अहम बिलों और मुद्दों पर चर्चा होगी। मानसून सत्र को लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीते दिनों एक्स पर पोस्ट में कहा कि सरकार ने

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद सत्र शुरु करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। सत्र 21 अगस्त तक चलेगा।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चलाने का निर्णय लिया है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार सभी मुद्दों पर, संसद के नियमों के तहत, चर्चा के लिए तैयार है। तीन महीने से ज्यादा के अंतराल के बाद संसद के दोनों सदन 21 जुलाई को शुरू होंगे। बता दें कि संसद का बजट सत्र इस साल 31 जनवरी को शुरू हुआ था। दोनों सदनों को 4 अप्रैल को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

'नास्तिक साम्यवादी पार्टी को कोई अधिकार नहीं है तिब्बतियों के धार्मिक गुरु का चयन करने का

दलाई लामा ने पुरजोर शब्दों में कहा कि वे और उनका ट्रस्ट, ''गाडेन फोड्रांग ट्रस्ट'' ही नये दलाई लामा का मनोनयन करेंगे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2, जुलाई। तिब्बती बौद्ध धर्म के सर्वोच्च गुरु दलाई लामा ने घोषणा की है कि वे मृत्यु के बाद पुनर्जन्म लेंगे, और अगला दलाई लामा केवल गदेन फोड्रंग ट्रस्ट द्वारा ही नामित किया जाएगा-जो इस कार्य के लिए पृथ्वी पर एकमात्र अधिकृत संस्था है।

धर्मशाला से आई दलाई लामा की इस घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है और यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के लिए बड़ी असहजता का कारण बन गई है, जो तिब्बती जनता पर पूर्ण और निर्विवाद नियंत्रण का दावा करती रही है।

दलाई लामा को पूरी दुनिया में शांति के दूत और क्रूर चीनी शासन के विरुद्ध तिब्बती स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक के रूप में गहरा सम्मान प्राप्त है। उन्हें इस संघर्ष के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गाडेन फोड्रंग ट्रस्ट, दलाई लामा की निर्वासित तिब्बती सरकार के भारत के धर्मशाला से संचालित होता है और तिब्बती बौद्ध परंपरा के वरिष्ठतम लामाओं का एक समूह है।

- कुछ समय पूर्व दलाई लामा ने तिब्बत के दूर-दराज गाँव के पाँच साल के बच्चे को दलाई लामा का नया अवतार घोषित किया था, पर, घोषणा होते ही चीन की सरकार ने उस लड़के का अपहरण कर लिया और उसके बाद उस लड़के का नामो-निशान नहीं मिला था।
- इस घटना के बाद, दलाई लामा ने घोषणा की थी कि दलाई लामा का नया अवतार ''फ्री वर्ल्ड'' (गैर-साम्यवादी) देश में होगा, पर, कहाँ और कब यह बाद में सार्वजनिक किया जायेगा।
- दलाई लामा ने इसी संदर्भ में कहा था कि नये दलाई लामा के मनोनयन की प्रक्रिया का ''रिव्यु'' करेंगे तथा नया दलाई लामा उनके 90वें जन्मदिन के दिनों में मनोनीत कर दिया जायेगा।
- और, अब जब उनके 90वें जन्म दिन के उत्सव की तैयारियाँ शुरु हो गई है, गत रविवार से, दलाई लामा ने घोषणा की कि नये दलाई लामा का मनोनयन वो और उनकी समिति उसी पद्धति से करेगी, जो अतीत काल से चली आ रही है।

यह घोषणा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की अगले दलाई लामा पर नियंत्रण स्थापित करने के प्रयास को निषिद्ध करता है। यह न केवल वर्तमान दलाई लामा की वैधता को बरकरार रखता है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार सुप्रीम कोर्ट में एससी, एसटी रिज़र्वेशन लागू होगा

15 प्रतिशत आरक्षण एससी तथा 7.5 प्रतिशत एसटी के लिए है जो पीए, सहायक लाइब्रेरियन, कोर्ट असिस्टैंट, कोर्ट अटैन्डैंट, चैम्बर अटैन्डैंट आदि पदों पर लागू होगा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जुलाई। देश के इतिहास में पहली बार, सुप्रीम कोर्ट ने अपने कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षण लागू किया है। यह कदम मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई के कार्यकाल में उठाया गया है, जो स्वयं अनुसूचित जाति से आते हैं।

24 जून को जारी एक सर्कुलर में बताया गया कि मॉडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर 23 जून 2025 से प्रभाव में आ गया है।

167 पृष्ठों का दस्तावेज, सुप्रीम कोर्ट ऑफिसर्स एंड सर्वेंट्स (सेवा की शर्तें और आचरण) नियम, 1961 के नियम 4ए और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के 1997 के दिशा-निर्देशों के अनुसार, तैयार किये गये 200-बिंदु वाले आरक्षण ढांचे को दर्शाता है।

- इस रिज़र्वेशन का रोस्टर, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने विस्तृत रूप से तैयार करवाया है तथा वे अपने कार्यकाल में लागू करा देना चाहते है।
- न्यायाधीश गवई स्वयम् भी एससी कैटेगरी में आते हैं तथा उन्होंने 167 पेज का यह विस्तृत रिज़र्वेशन दस्तावेज तैयार करवाया है, जो 24 जून को घोषित हुआ था तथा इस वर्ष 23 जून से इसे लागू माना जायेगा।

आरक्षण अनुपातः

15 प्रतिशत आरक्षण अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए, 7.5 प्रतिशत अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए रखा गया है। तथा इस प्रकार हर 200 स्वीकृत पदों में 30 पद एस सी और 15 पद एसटी के लिए आरक्षित होंगे।

यह आरक्षण ढांचा सुप्रीम कोर्ट के कई प्रशासनिक पदों पर लागू होगा। प्रत्येक पद के लिए एक सीरियल नंबर आधारित सूची तैयार की गई है, जो बताती है कि स्वीकृत पदों की संख्या में कौन-से क्रम पर एस सी, एस टी के पद होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया ब्लॉक के नेता चुनाव आयोग से मिले

नई दिल्ली, 02 जुलाई। विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई नेताओं ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोग के साथ बैठक की और विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अपनी चिंताओं को व्यक्त किया। कांग्रेस, राजद, माकपा, भाकपा, भाकपा (माले), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और समाजवादी पार्टी

- इन नेताओं ने बिहार में मतदाता सूचियों के पुनर्निरीक्षण पर आपत्ति जताई।

सहित 11 दलों के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य आयुक्तों से मुलाकात की।

इन नेताओं ने आपत्ति जताई कि बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले मतदाता सूची की इस तरह की विशेष जांच कराना उचित नहीं है। यह प्रक्रिया पहले ही बिहार में शुरू हो चुकी है और अगले साल जिन पांच और राज्यों, असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं, वहां भी इसे लागू किया जाना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएसएस व मोदी-शाह द्वय के बीच तनाव दिख रहा है, नये प्रदेशाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पर

मोदी-शाह का तर्क है कि यह नियुक्ति रूटीन (साधारण) संगठनात्मक प्रक्रिया है। पर, आरएसएस की शिकायत है, संघ परिवार में नियुक्तियाँ बातचीत व उच्चस्तरीय विचार-विमर्श के बाद होती हैं, इस बार ऐसा नहीं हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जुलाई। संघ परिवार के भीतर एक नई खींचतान उभरती दिख रही है, क्योंकि कथित रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेतृत्व ने नए प्रदेश भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी पर असंतोष जताया है। यह विवाद ऐसे संवेदनशील समय पर सामने आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी, पांच देशों के कूटनीतिक दौरे पर हैं, जो बुधवार से ही शुरु हुआ है।

असामान्य तेज़ी दिखाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महज़ दो दिनों में 14 नए राज्य अध्यक्षों की घोषणा कर दी, जिससे कई वरिष्ठ संघ पदाधिकारी आश्चर्यचकित रह गए। जहाँ भाजपा नेता इस फेरबदल को सामान्य संगठनात्मक मजबूती का हिस्सा बता रहे हैं, वहीं संघ के सूत्रों का कहना है कि इस प्रक्रिया में संघ से पारंपरिक सलाह-मशविरा नहीं किया गया, जिससे मतभेद और गहराए हैं।

- प्र.मंत्री मोदी, प्रांत प्रचारकों की बैठक में भी उपस्थित नहीं हो पायेंगे, विदेश यात्रा के कारण। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि इस बैठक में बाकी एजेण्डा के अलावा काफी खुली चर्चा होनी थी, संघ व भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं के बीच बढ़ रहे तनाव पर।
- संघ के एक वरिष्ठ नेता का मानना है कि तनाव केवल तार्किक नहीं है। भाजपा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आरएसएस व मोदी-शाह नेतृत्व, संघ परिवार के उभरते तूफान के बीच कैसे पार्टी व संघ की नैया, होशियारी से खे कर निकालते हैं।

संघ की तीन दिवसीय अहम् प्रांत प्रचारक बैठक के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में मोदी की गैरमौजूदगी ने तनाव को और बढ़ाया है। हालांकि, अधिकारिक रूप से यह बैठक शताब्दी समारोहों और राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए बुलाई गई है। लेकिन अंदरूनी सूत्रों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

तृण से हल्की रूई होती है और रूई से भी हल्का याचक। हवा इस डर से उसे नहीं उड़ाती कि कहीं उससे भी कुछ न माँग ले। –चाणक्य

राजस्थान : महात्मा गांधी स्कूल ये क्या हाल हो गया!

राजस्थान, भारत का वह राज्य जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है, आज शिक्षा के क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। विशेष रूप से, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, जो कभी अभिभावकों और छात्रों की पहली पसंद हुआ करते थे, आज शिक्षकों की भारी कमी और बुनियादी सुविधाओं की अनुपस्थिति के कारण अपनी चमक खो रहे हैं। शिक्षा विभाग के आंकड़े और हाल के प्रयास इस स्थिति की गंभीरता को उजागर करते हैं। महात्मा गांधी स्कूलों की प्रारंभिक लोकप्रियता काफी थी ये अंग्रेजी माध्यम स्कूल राजस्थान सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत शुरू किए गए थे। इन स्कूलों का उद्देश्य था कि निम्न और मध्यम वर्ग के परिवार, जो निजी स्कूलों की महंगी फीस वहन नहीं कर सकते, अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान कर सकें। इन स्कूलों की शुरुआत कांग्रेस शासनकाल में हुई थी, और प्रारंभ में इनका आकर्षण इतना था कि प्रवेश के लिए लॉटरी सिस्टम का सहारा लिया जाता था। इन स्कूलों ने न केवल अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करने का वादा किया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि यह शिक्षा मुफ्त या बहुत कम लागत पर उपलब्ध हो। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अभिभावकों में इन स्कूलों के प्रति भारी उत्साह देखा गया। लेकिन सरकार बदली और उपेक्षित इन स्कूलों की लोकप्रियता में कमी आती चली गई। सबसे पहले तो राज्य की भाजपा सरकार का असमंजस पूर्ण रवैया ही इसके पीछे कारण रहा। सरकार ने पहले तो यह ऐलान कर दिया कि सरकार इन महात्मा गांधी स्कूलों को बन्द करेगी। फिर बहुत मंथन, दबाव और मांग के बाद सरकार ने आधे-अधूरे मन से इनके जारी रखने का ऐलान तो कर दिया लेकिन सरकार ने इन्हे उपेक्षित अवश्य छोड़ दिया। जिनमें सबसे प्रमुख है शिक्षकों की कमी और शैक्षणिक गुणवत्ता में गिरावट। शिक्षकों की कमी यह एक गंभीर संकट है इन स्कूलों का। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, महात्मा गांधी स्कूलों में कुछ अर्से पहले 23,000 शिक्षकों के पद रिक्त थे। सरकार ने हाल ही में 3,737 स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति की, लेकिन इसके बावजूद 11,424 पद अभी भी खाली हैं। यह आंकड़ा अपने आप में इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। खास बात यह है कि इनमें से कई स्कूलों में प्रिंसिपल तक की नियुक्ति नहीं हो पाई है। आश्चर्यजनक है कि केवल इन में से केवल 380 स्कूलों को ही नए प्रिंसिपल मिल पाए हैं। जहां स्कूलों में प्रिंसिपल ही नहीं होंगे तो व्यवस्था कैसी होगी अनुमान लगाया जा सकता है। ऊपर से शिक्षकों की कमी का प्रभाव स्कूलों की कार्यप्रणाली पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। बिना पर्याप्त शिक्षकों के, कक्षाएं नियमित रूप से नहीं चल पा रही हैं, जाहिर है जिसके कारण पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो पाएगा। प्रिंसिपल की अनुपस्थिति में स्कूलों का प्रशासनिक ढांचा भी कमजोर पड़ा हुआ है, जिससे अनुशासन और शैक्षिणक गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही है।

महात्मा गांधी स्कूलों की लोकप्रियता में कमी का एक प्रमुख कारण इनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में गिरावट है। जहां पहले इन स्कूलों में प्रवेश के लिए लंबी कतारें लगती थीं, वहीं अब स्थिति यह है कि कई स्कूलों में उपलब्ध सीटों से भी कम आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। इस बार की प्रवेश प्रक्रिया में यह स्पष्ट हुआ कि कई स्कूलों में तो सीटें खाली रह गईं, और अब 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर प्रवेश दिया जा रहा है। इस गिरावट के पीछे कई कारक हैं। पहला, शिक्षकों की कमी के कारण कक्षाएं प्रभावी ढंग से नहीं चल पा रही हैं। दूसरा, बुनियादी सुविधाओं जैसे कि पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, और खेल के मैदानों की कमी ने भी अभिभावकों का भरोसा तोड़ा है। तीसरा, निजी स्कूलों की तुलना में इन स्कूलों में शिक्षण का स्तर और संसाधन अब उतने प्रतिस्पर्धी नहीं रहे। नतीजतन, अभिभावक अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजना पसंद कर रहे हैं, भले ही इसके लिए उन्हें अधिक खर्च करना पड़े। महात्मा गांधी स्कूलों की स्थिति शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं अधिक गंभीर है। ग्रामीण स्कूलों में न केवल शिक्षकों की कमी है, बल्कि बुनियादी सुविधाओं जैसे कि शौचालय, पीने का पानी, और उचित भवन तक की कमी है। कई स्कूलों में कक्षाएं खुले में या जीर्ण-शीर्ण भवनों में चल रही हैं। पिछले साल आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों को मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में नियुक्त किया गया। इससे हिन्दी माध्यम स्कूलों में भी शिक्षकों की कमी हो गई, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। यह स्थिति ग्रामीण छात्रों के लिए विशेष रूप से हानिकारक है, क्योंकि उनके पास निजी स्कूलों का विकल्प भी नहीं होता। ट्रांसफर और पोस्टिंग का प्रभावशिक्षा विभाग ने हाल ही में कई शिक्षकों को उनके गृह जिलों में स्थानांतरित किया है। हालांकि यह शिक्षकों के लिए सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन इससे स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था पूरी तरह से गड़बड़ा गई है। समय रहते संतुलित ढंग से योजना लागू करना शिक्षा विभाग कब का भूल चुका है। कई स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को स्थानांतरित कर दिया गया, जिसके कारण वहां शिक्षकविहीन स्थिति उत्पन्न हो गई। इसके अलावा, अंग्रेजी माध्यम में कार्यरत शिक्षकों को भी अन्य स्कूलों में भेजा गया, जिससे महात्मा गांधी स्कूलों की स्थिति और भी खराब हो गई। यह ट्रांसफर नीति न केवल अंग्रेजी माध्यम स्कूलों, बल्कि हिन्दी माध्यम स्कूलों पर भी भारी पड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहां पहले से ही संसाधनों की कमी थी। इस तरह की नीतियों से शिक्षा व्यवस्था का संतुलन बिगड़ गया है, और इसका सबसे अधिक प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। आधे-अधूरे प्रयासों से क्या है समाधान निकलेगा सोच सकते हैं? राज्य सरकार ने हाल ही में 11,000 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति कर इस समस्या को हल करने का प्रयास किया है। हालांकि, यह प्रयास भी आधा-अधूरा ही नजर आता है। अभी भी हजारों पद खाली हैं, और ग्रामीण स्कूलों की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। इसके अलावा, शिक्षकों की नियुक्ति के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता और प्रशिक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इस समस्या के समाधान के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं तेजी से भर्ती प्रक्रिया अपनाकर। सरकार को खाली पड़े शिक्षक पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया को और तेज करना होगा। इसके लिए विशेष भर्ती अभियान चलाए जा सकते हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। शिक्षकों का प्रशिक्षण सशक्त बनाना जरूरी है। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देना आवश्यक है। कई शिक्षक, जो पहले हिन्दी माध्यम में पढ़ा रहे थे, अंग्रेजी माध्यम में प्रभावी ढंग से पढ़ाने में असमर्थ हैं। स्कूलों मैं बुनियादी सुविधाओं के विकास की बुनियाद बहुत कमजोर है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं जैसे कि कक्षा कक्ष, शौचालय, पीने का पानी, और पुस्तकालय का विकास में बहुत पिछड़े हैं ये स्कूल। समुचित व्यवस्था न केवल छात्रों को आकर्षित करेगी, बल्कि शिक्षकों के लिए भी कार्यस्थल को बेहतर बनाएंगी। शिक्षकों के स्थानांतरण में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो स्कूलों में शिक्षकों की कमी को न बढ़ाएं। स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता और संसाधनों की स्थिति पर नियमित निगरानी रखनी होगी। इसके लिए एक स्वतंत्र निगरानी तंत्र स्थापित किया जा सकता है। अभिभावकों और छात्रों में महात्मा गांधी स्कूलों के प्रति विश्वास बहाल करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। वस्तुतः महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल राजस्थान सरकार की एक दूरदर्शी योजना थी, जिसने शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाने का प्रयास किया। हालांकि, शिक्षकों की कमी, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, और गलत नीतियों के कारण इन स्कूलों की स्थिति आज चिंताजनक है। यदि सरकार इस दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम नहीं उठाती, तो ये स्कूल अपनी पहचान और उद्देश्य दोनों खो सकते हैं। शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है, और इसे मजबूत करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है। महात्मा गांधी स्कूलों को फिर से अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए न केवल शिक्षकों की भर्ती, बल्कि समग्र शैक्षिक सुधारों की जरूरत है। यह समय है कि सरकार और शिक्षा विभाग इस दिशा में गंभीरता से काम करें, ताकि राजस्थान के छात्रों को वह शिक्षा मिल सके, जिसके वे हकदार हैं।

वस्तुतः महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल राजस्थान सरकार की एक दूरदर्शी योजना थी, जिसने शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाने का प्रयास किया। हालांकि, शिक्षकों की कमी, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, और गलत नीतियों के कारण इन स्कूलों की स्थिति आज चिंताजनक है। यदि सरकार इस दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम नहीं उठाती, तो ये स्कूल अपनी पहचान और उद्देश्य दोनों खो सकते हैं। शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है, और इसे मजबूत करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् और चिन्तक

संवेदना बनी सहारा : अंत्योदय शिविर ने असहाय महिला को संबल दिया

ग्राम पंचायत मानसागर के बावड़ी में अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविर के प्रभारी रामदयाल सोमरौड़ के सामने एक मामला आया

- शिविर प्रभारी दिव्यांग महिला के घर पहुंचे, वहां सरपंच, परिजनों व अन्य ग्रामवासियों से स्थिति समझी
- दिव्यांगता पेंशन को वृद्धावस्था पेंशन में परिवर्तित कर मौके पर ही पेंशन पुनः चालू की गई

शासन और प्रशासन आमजन की सेवा के लिए हैं, लेकिन जब तक इनकी एप्रोच में करूणा, आपसी समझ और व्यक्ति, स्थान, समुदाय विशेष की आवश्यकता के मुताबिक सेवा शामिल नहीं हो, सुशासन का वास्तविक लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता। पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय की इसी भावना को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कर रही है और जुलाई माह के पहले दिन जोधपुर जिले में कुछ ऐसा हुआ जो ऐसे अभियानों की सफलता के लिए के लिए एक केस स्टडी है।

इस दिन ग्राम पंचायत मानसागर के बावड़ी में कुछ असाधारण घटा। अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविर के प्रभारी रामदयाल सोमरौड़ के सामने एक चुनौतीपूर्ण मामला आया। एक ऐसी महिला, जो मानसिक रूप से दिव्यांग है, उसकी दिव्यांगता पेंशन बंद हो चुकी थी और आधाार कार्ड भी जारी नहीं हो पा रहा था। उसके पास आधार के साथ ही जनाधार या कोई अन्य जरूरी दस्तावेज़ भी नहीं था। शिविर प्रभारी ने इस समस्या को चुनौती के रूप में लेते हुए इसका करूणा और संवेदना से समाधान कर अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को राज्य और समाज की मुख्यधारा में शामिल करने का राज्य सरकार का संकल्प पूर्ण किया। शिविर प्रभारी दिव्यांग महिला के घर पहुंचे, वहां सरपंच, परिजनों व अन्य ग्रामवासियों से स्थिति समझी। दस्तावेज़ों के अभाव में भी उन्होंने शिविर में मौजूद विभागीय अधिकारियों से सहयोग लेकर आवश्यक प्रमाण जुटाए। यह पुष्टि हुई कि महिला की आयु 1 जनवरी, 2025 को 55 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। इस आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुए दिव्यांगता पेंशन को वृद्धावस्था पेंशन में परिवर्तित कर मौके पर ही पेंशन पुनः चालू कर दी गई। महिला खुद तो शायद उस राहत की गहराई न समझ सकी, लेकिन उसके परिवार, गांव के लोग और सरपंच ने इस छोटे-से बड़े कदम के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। उनके अनुसार, यह सिर्फ एक पेंशन नहीं, एक असहाय को उसकी पहचान, गरिमा, अधिकार लौटाना है। यह कहानी एक उदाहरण बन गई-जब संवेदना व्यवस्था से मिलती है, तो कोई भी सहायता अधूरी नहीं रहती।

आकांक्षा पालावत
उप निदेशक, जोधपुर जिला
सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय।

प्रशासन में सचिवों का बार-बार तबादला

अशोक कुमार

"प्रशासन में सचिवों का बार-बार तबादला" एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अक्सर बहस होती रहती है, खासकर जब इसका असर नीति निर्माण और कार्यान्वयन पर पड़ता है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचे और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

प्रशासनिक स्थिरता का महत्व

यह समझना ज़रूरी है कि किसी भी नीति को सफल बनाने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण और निरंतरता बहुत महत्वपूर्ण होती है। जब शीर्ष अधिकारी, जैसे कि सचिव, बार-बार बदलते हैं, तो हर नए व्यक्ति की अपनी प्राथमिकताएँ और कार्यशैली होती है। इससे पिछली योजनाओं को बीच में ही छोड़ दिया जा सकता है, या उनमें लगातार बदलाव किए जा सकते हैं, जिससे कोई भी नीति कभी भी अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुँच पाती।

प्रभाव–

संस्थागत स्मृति का नुकसान: लगातार तबादलों से विभाग की संस्थागत स्मृति कमजोर होती है। नए अधिकारी को पिछली सफलताओं और विफलताओं को समझने में समय लगता है।

विश्वास और समन्वय में कमी: नीति निर्माण में विभिन्न हितधारकों (मंत्रालयों, विशेषज्ञों, ज़मीनी कार्यकर्ताओं) के साथ समन्वय ज़रूरी होता है। जब नेतृत्व लगातार बदलता है, तो इन संबंधों को स्थापित करने और विश्वास बनाने में बाधा आती है।

कार्यान्वयन में बाधा: नीतियों को ज़मीन पर उतारने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। नेतृत्व बदलने से कार्यान्वयन की गति और दिशा प्रभावित हो सकती है।

जवाबदेही का निर्धारण मुश्किल: जब कोई अधिकारी लंबे समय तक एक परियोजना का हिस्सा नहीं रहता, तो उसकी जवाबदेही तय करना मुश्किल हो जाता है।

समाधान की आवश्यकता–

सरकार अक्सर प्रशासनिक दक्षता और लचीलेपन के नाम पर तबादलों को ज़रूरी मानती है। हालाँकि, यह महत्वपूर्ण है कि स्थिरता और निरंतरता के बीच एक संतुलन स्थापित किया जाए। इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक बदलावों से नहीं, बल्कि व्यापक नीतिगत सुधारों से हो सकता है। इसमें अधिकारियों के कार्यकाल को एक निश्चित अवधि के लिए तय करना और उन्हें पर्याप्त समय देना शामिल हो सकता है ताकि वे अपने विभागों में सुधार ला सकें और नीतियों को सफलतापूर्वक लागू कर सकें।

यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर गंभीरता से विचार-विमर्श की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशासनिक निर्णय देश के विकास और नीतिगत लक्ष्यों में बाधा न बनें। सरकार प्रत्यक्ष रूप से इस मुद्दे पर कोई ठोस नीतिगत बयान नहीं देती है, लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर शिक्षा विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं द्वारा लगातार बहस की जाती है।

स्थिरता निश्चित रूप से एक अच्छी नीति के निर्माण और सफल कार्यान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है। सरकार को प्रशासनिक आवश्यकताओं और स्थिरता के बीच एक संतुलन खोजने की आवश्यकता है ताकि शिक्षा क्षेत्र को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। यह संभव है कि सरकार आंतरिक रूप से इस पर विचार करती हो, लेकिन प्रशासनिक दक्षता और लचीलेपन को भी उतना ही महत्वपूर्ण मानती हो।

स्थिरता के बिना एक सुदृढ़ नीति का निर्माण और उसे सफलतापूर्वक लागू करना लगभग असंभव है। यह सिर्फ शिक्षा नीति पर ही नहीं, बल्कि किसी भी क्षेत्र की नीति पर लागू होता है। संक्षेप में, स्थिरता केवल नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए ही नहीं, बल्कि उसके कुशल और प्रभावी निर्माण के लिए भी एक पूर्व शर्त है। जब तक शीर्ष पदों पर पर्याप्त स्थिरता नहीं होगी, तब तक न तो दूरगामी और प्रभावी नीतियां बन पाएंगी और न ही उन्हें जमीन पर सफलतापूर्वक उतारा जा सकेगा। सरकार को इस पहलू पर गंभीरता से विचार करना चाहिए ताकि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वास्तविक और स्थायी सुधार लाए जा सकें। क्या आप मानते हैं कि इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक बदलावों से हो सकता है, या इसके लिए व्यापक नीतिगत सुधारों की भी आवश्यकता है?

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

प्रवासी दृष्टि : समाज, संस्कृति और सोच दुबई की रोशनी में छिपी परछाइयां

डॉ. पंकज राजवंशी

विश्व कप के फाइनल के बाद का वो दृश्य, विराट कोहली का अनुष्का को गले लगाना, पूरे भारत के लिए एक भावनात्मक लम्हा था। एक विजेता की खुशी, एक जीवनसाथी का गर्व, और उस सबके बीच एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखा व्यक्तिगत प्यार का एक पल। मगर हम जैसे लोगों के लिए, जो तीस साल से अमेरिका जैसे खुले समाज में रहते हैं, जहाँ स्नेह का सार्वजनिक प्रदर्शन सामान्य बात है, उस दृश्य में एक और परत थी। वो सवाल

जो मन में आया: क्या ये दुबई में क़ानूनी रूप से स्वीकार्य था? असलियत ये है कि विराट और अनुष्का इतने विशेषाधिकार प्राप्त हैं कि शायद उन्होंने इस बारे में सोचा तक नहीं होगा। उनकी सेलिब्रिटी पहचान उन्हें एक ऐसी अदृश्य छूट देती है जो आम व्यक्ति को नहीं मिलती, ख़ासतौर पर उस पर्यटक या मज़दूर को जो गरीब है, सांवला है, और बेआवाज़ है।

दुबई, जो खुद को दुनिया के सबसे सुरक्षित और आधुनिक शहरों में गिनाता है, वहाँ सार्वजनिक प्रेम प्रदर्शन, चाहे वो गले मिलना ही क्यों न हो, कभी-कभी नियमों की सीमाओं को पार कर सकता है। तकनीकी रूप से देखा जाए तो हाँ, हल्के स्तर का स्नेह, जैसे हाथ पकड़ना या हल्का गले मिलना, आम तौर पर सहन कर लिया जाता है। लेकिन चुंबन या ज़्यादा अंतरंगता सार्वजनिक जगहों पर जुर्माने या गिरफ़्तारी तक का कारण बन सकती है। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन हैं, आपको कौन देख रहा है, और आप किस 'स्तर' से आते हैं। मेरी पत्नी, मैं और बच्चे हाल ही में दुबई गए थे। हम अमेरिकी नागरिक होने के नाते वहाँ पर्यटक की तरह गए थे। कई देशों में प्रवासी मज़दूर देखे हैं, लेकिन दुबई का अनुभव कुछ अलग था, थोड़ा असहज करने वाला। पूरा शहर एक शानदार, चमचमाता होटल लग रहा था। हर चीज़ सुव्यवस्थित, चमकदार, महँगी, लेकिन हर मुस्कराहट के पीछे एक डर छिपा हुआ।

जो टैक्सी चला रहा था, जो होटल की सफाई कर रहा था, जो रेस्तरां में खाना परोस रहा था, उनमें अधिकांश भारतीय या दक्षिण एशियाई थे। और हर किसी की आँखों में एक बात साफ थी: हम यहाँ आज़ाद नहीं हैं, पर हमारे पास कोई और विकल्प भी नहीं है। अचानक कुछ चेहरे याद आए। तीस साल पहले, अमेरिका आने से पहले, मैं दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में एक मेडिकल सेंटर में काम करता था जहाँ इन मज़दूरों के वीज़ा के लिए सिर्फ़ फिजिकल चेकअप होते थे। लंबी लाइनें होती थीं, भीड़ जैसे चलतीं, भेड़-बकरियों की तरह, एक के बाद एक। उन चेहरों को इन चेहरों से तुलना करूँ तो क्या सही और क्या ग़लत? मैं उनकी आज़ादी न होने से विचलित हुआ, अन्याय से या अपने पूर्वग्रहों से?

यूएई की 'कफ़ाला प्रणाली' के तहत विदेशी कामगार अपने नियोक्ताओं पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। पासपोर्ट नियोक्ता के पास, नौकरी बदलने के लिए उसकी इजाज़त ज़रूरी, देश छोड़ने के लिए भी वही मर्जी का मालिक। अब आप सोचिए, किसी भारतीय मज़दूर को जब भारत में 10-12 हज़ार रुपए महीना मिलते हैं, और दुबई में उसे 1200-1500 दिरहम यानी 27,000-35,000, तो वो क्या करेगा? यहीं आ जाएगा, फिर चाहे इंसानियत कहीं खो जाए। ये बात सुनने में अजीब लगेगी, पर जो तंत्र दुबई ने तैयार किया है, वह बहुत हद तक एक भारतीय घर के मॉडल पर आधारित है, जहाँ घरेलू सहायिका 'घर का हिस्सा' कहलाती है, पर उसे कभी समानता नहीं मिलती। दुबई में यह मॉडल औद्योगिक स्तर पर है। हर टॉवर, होटल, मॉल, एयरपोर्ट किसी विशाल भारतीय घर की तरह है, जहाँ सारे काम करने वाले प्रवासी हैं, जो बाहर से आए हैं, बेहतर जीवन की उम्मीद में।

पर वो बेहतर जीवन कैसा है? एक रिपोर्ट में बताया गया कि निर्माण स्थल पर काम करने वाले मज़दूरों को 45 से ज़्यादा गर्मी में भी दिन के 12-14 घंटे काम करना पड़ता है। सस्ते डॉरमेट्री टाइप कैंपों में 6-8 लोग एक कमरे में रहते हैं। हफ्ते में एक छुट्टी मिलती है, वो भी अगर नियोक्ता दयालु हो। और अगर कोई विरोध करे या शिकायत करे? पासपोर्ट जब्त, वीजा रद्द, पुलिस बुला लो, डिपोर्ट कर दो।

अब ज़रा सोचिए, दुबई खुद को दुनिया का सबसे सुरक्षित शहर कहता है। हर कोने में कैमरा, हर व्यक्ति पर नज़र, हर व्यवहार पर नियंत्रण। लेकिन ये सुरक्षा किसके लिए है? विदेशी निवेशक, पर्यटक, या अमीर रेज़िडेंट्स के लिए। प्रवासी श्रमिकों के लिए? उनके लिए यह एक सुनहरा पिंजरा है, जिसमें सांस तो आती है, पर आवाज़ नहीं। और अगर आप समलैंगिक हैं? तो आपका वजूद ही अपराध बन जाता है। यूएई में समलैंगिकता कानूनन अपराध है। सज़ा? जेल, जुर्माना, निर्वासन, और कुछ मामलों में मौत तक। अमेरिका में जहाँ धीरे-धीरे स्वीकार्यता बढ़ रही है, वहाँ से आकर यह देखना बेहद तकलीफदेह था कि कुछ लोग सिर्फ अपनी पहचान की वजह से सांस भी डरते-डरते लेते हैं।

इन सब बातों के बीच, विराट और अनुष्का का वो गले लगाना मुझे अब और गहराई से सोचने पर मजबूर करता है। वो सिर्फ एक भावनात्मक पल नहीं था, वो शायद अनजाने में ही एक तरह की आज़ादी का इज़हार था। वो आज़ादी जो वहाँ के लाखों मज़दूरों को मयस्सर नहीं है। वो अपने बच्चों को वीडियो कॉल पर दुलार भी नहीं कर सकते, बिना डर के।

हम जैसे अमेरिका में बसे भारतीयों को अक्सर कहा जाता है कि हमने अपनी जड़ें छोड़ दीं, हम बहुत पश्चिमी हो गए हैं। लेकिन जब हम दुबई जैसे शहरों में जाते हैं और वहाँ अपने ही देश के लोगों को इस तरह की शर्तों में काम करते देखते हैं, तो हमें एहसास होता है कि सवाल 'कहाँ रह रहे हैं' का नहीं है, सवाल यह है कि कैसे जी रहे हैं। दुबई चमकदार ज़रूर है, लेकिन उसकी रोशनी उन लोगों की आंखें चकाचौंध करती है जिनके पास अपनी कोई रोशनी नहीं है। और शायद अब वक्त आ गया है कि हम, जो कुछ ज़्यादा सौभाग्यशाली हैं, उन पर सिर्फ गर्व न करें जो क्रिकेट मैदान पर जीतते हैं, बल्कि उन पर भी ध्यान दें जो ज़िंदगी की कठोर ज़मीन पर हर पल जूझते हैं।

–डॉ. पंकज राजवंशी,
सिएटल (अमरीका) में एक
गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट हैं।

राशिफल

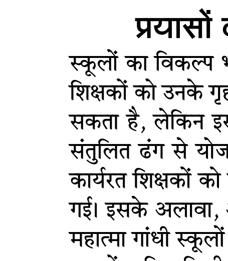

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 3 जुलाई, 2025

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 8:23 तक, परिघ योग सायं 6:35 तक, बव करण दिन 2:07 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:19 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज रवियोग दिन 1:50 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:24 तक, चर 10:44 से 12:31 तक, लाभ-अमृत 12:31 से 3:56 तक, शुभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ और तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

अवैध मादक पदार्थ 200 ग्राम एमडी (मेफैड्रोन) सहित तीन गिरफ्तार

■ बाइक की सीट के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे मादक पदार्थ

कोटा, (निसं)। राजस्थान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के सतत प्रयासों के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) जयपुर व प्रतापगढ़ के अधिकारियों ने कंथर-नंदना रोड प्रतापगढ़ में संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए अवैध 200 ग्राम एमडी (मेफैड्रोन) सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्यवाही उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुन्देल के निर्देशन में की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि तीन व्यक्ति कंथर-नंदना रोड, प्रतापगढ़ पर अवैध एमडी ले जाने वाले हैं। उक्त सूचना पर सीबीएन जयपुर और प्रतापगढ़ के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया।

नाम परिवर्तन

मेरा नाम शाहनवाज खान (Shahnawaz Khan) है लेकिन गलती से मेरे पासपोर्ट में नाम शाहनवाज खान (Shahnawaj Khan) आलेखित हो गया है। जबकि सही नाम शाहनवाज खान (Shahnawaz Khan) है मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। शाहनवाज खान पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी 363-ए, तलवण्डी, कोटा

कार्यालय नगर पालिका नैनवाँ जिला बूंदी (राज0)

क्रमांकः– भूमिशाखा/आपत्ति/2025/1152 दिनांकः– 01.07.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न प्रार्थीगण ने स्वंय के भूखण्ड़ का पट्टा पंजीकरण/उपविभाजन/निर्माण स्वीकृती एवं विस्तार के लिए आवेदन प्रस्तुत कियें गयें है। किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मिल्कीयत दस्तावेज सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दें, मियाद बाद कोई आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी तथा नियमानुसार पत्रावलीयां निस्तारित कर दी जावेगी।

क्र. सं	प्रार्थी का नाम	पता	पत्रावली शीर्षक	विवरण
1.	श्री महावीर प्रसाद आ0 श्री किशन लाल	वार्ड न. 19 नैनवाँ	नामान्तरण	भूखण्ड साईज 1500 वर्गफीट
2.	श्री विनोद कुमार जैन आ0 श्री गोपाल लाल जैन	रविन्द्र कॉलोनी नैनवाँ	नामान्तरण	भूखण्ड साईज 1200 वर्गफीट
3.	श्रीमती जुम्मी पत्नी श्री भवंर खान	तिरूपति नगर नैनवाँ	उपविभाजन	भूखण्ड साईज 1125 वर्गफीट
4.	श्रीमती अनिता पत्नी श्री मुरलीधर ,मीना कुमारी पत्नी श्री राधेश्याम	वार्ड न. 14 नैनवाँ	उपविभाजन	भूखण्ड साईज 1943.32 वर्गफीट
5.	श्री सोहन लाल जैन आ0 श्री गोपी लाल जैन	वार्ड न. 10 नैनवाँ	69 ए	भूखण्ड साईज 712.50 वर्गफीट
6.	श्री उमेश वैष्णव आ0 श्री बनवारी लाल	ज्योति नगर नैनवाँ	निर्माण स्वीकृति	भूखण्ड साईज 1000 वर्गफीट
7.	श्रीमती सोनू बानो पत्नी श्री शरीफ मोहम्मद	तिरूपति नगर नैनवाँ	निर्माण स्वीकृति	भूखण्ड साईज 1250 वर्गफीट
8.	श्रीमती अन्जू साहू पत्नी श्री धनराज साहू	डॉ हेडगेवार योजना नैनवाँ	निर्माण स्वीकृति	भूखण्ड साईज 569.24 वर्गफीट

राज.संवाद/सी/25/5441 अधिशाषी अधिकारी

कोटा विकास प्राधिकरण

क्रमांक : एफ 7/डी.टी.पी./2025/89-94 **विज्ञप्ति** दि. 2.7.2025

राज्य सरकार द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन के बनाये गए नियमों/प्रपत्रों के अन्तर्गत एवं राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 24.02.2021 के क्रम में सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भू-उपयोग परिवर्तन प्रकरण, भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु कोटा विकास प्राधिकरण मे विचाराधीन है, जिसकी विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है, के भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस मे कोटा विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जा सकेगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड सं./ योजना का नाम	योजना/मास्टर प्लान अनुसार भू-उपयोग	प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन	क्षेत्रफल
1.	श्रीमति रजनी सैनी पत्नि श्री जसवन्त सिंह	भूखण्ड संख्या A-1, A-2, A-23, A-24, A-25, A-26, A-27 योजना वर्धमान नगर ग्राम नान्ता, कोटा	आवासीय	सामान्य व्यवसायिक	1066.26 वर्गमीटर

सचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-2323 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांकः-2.7.25

नगर विकास न्यास कोटा की योजना न्यू मोटर मार्केट व्यवसायिक के भूखण्ड/दुकान संख्या 421 मै. जूबिया स्प्रे आर्ट प्रो. श्री अशफाक हुसैन पुत्र श्री बुन्दु खाँ को आवंटन/लॉटरी प्राधिकरण के पत्र दिनांक 08.01.2025 के द्वारा आवंटन किया गया था। आवंटी श्री अशफाक हुसैन की मृत्यु दिनांक 14.10.2021 को हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त आवंटी के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में मृत्यु प्रमाण पत्र, रिलीज डीड, वारिसान शपथ पत्र, गवाह शपथ पत्र, आई.डी.० इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड/आवास अपने नामहस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण कोटा से चाही जा रही है।

अतः प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/दुकान संख्या 421 योजना न्यू मोटर मार्केट व्यवसायिक का नाम हस्तान्तरण श्रीमती नगीना बानो पत्नी स्व. श्री अशफाक हुसैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांकः-296 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांकः-30.6.25

नगर विकास न्यास कोटा की रानपुर आवासीय योजना के भूखण्ड/आवास संख्या ई-259 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि.०न्यास के पत्र दिनांक 16.06.2025 को श्री देवेन्द्र अदलक्खा पुत्र श्री रमेश चन्द्र अदलक्खा को किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड / आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री प्रमोद जैन पुत्र श्री सरदार मल जैन एवं श्रीमती पुष्पा जैन पत्नी श्री प्रमोद जैन द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 21.11.2024 को श्री अतुल कुमार बिनायक्या पुत्र श्री एस.सी.०बिनायक्या को को विक्रय कर दिया गया है क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 187 योजना वीरसावरकर नगर आवासीय का नाम हस्तान्तरण श्री अतुल कुमार बिनायक्या पुत्र श्री एस.सी.० बिनायक्या के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी। उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांकः-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/4434 दिनांकः 2.7.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुर्य प्रकाश विजय, श्री मधुसूदन विजय, श्री नगेन्द्र कुमार विजय, श्री यतीश कुमार विजय पिसरान स्व. श्री धनराज विजय निवासी-270 शोपिंग सेन्टर कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण भूखंड संख्या-270 शोपिंग सेन्टर कोटा (राज.) नगर निगम कोटा नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। भूखंड संख्या-270 शोपिंग सेन्टर क्षेत्रफल-1600.48 वर्गफुट का कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल योजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक : 3048 मण्डी कमेटी/61 दिनांक 03.08.1961 से श्री धनराज पुत्र श्री कजोडी लाल के नाम नीलाम किया गया है। श्री धनराज पुत्र श्री कजोडी लाल की मृत्यु दिनांक 19.07.2002 को हो चुकी है। श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री धनराज की मृत्यु दिनांक 14.01.2023 को चुकी है। दोनों की मृत्यु उपरांत उनके शेष विधिक वारिसान श्री सुर्य प्रकाश विजय, श्री मधुसूदन विजय, श्री नगेन्द्र कुमार विजय, श्री यतीश कुमार विजय पिसरान स्व. श्री धनराज विजय है। श्री सुर्य प्रकाश विजय, श्री मधुसूदन विजय, श्री नगेन्द्र कुमार विजय, श्री यतीश कुमार विजय पिसरान स्व. श्री धनराज विजय के पक्ष में नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जानी है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांकः-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/4441 दिनांकः 2.7.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राकेश शर्मा पुत्र स्व. श्री के.एल. शर्मा निवासी भूखंड संख्या 87 दादाबाड़ी कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 87 दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 87 दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल परियोजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक : लेखा/मण्डी/3369 दिनांक 10.10.1969 से श्री प्रहलाद कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल को किया गया। श्री प्रहलाद कुमार ने जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 31.10.1974 से उक्त भूखंड श्री कन्हैयालाल शर्मा पुत्र श्री बिशन लाल शर्मा को विक्रय कर दिया। श्री कन्हैयालाल शर्मा ने जर्ये रजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 21.05.2003 से उक्त भूखंड की वसीयत श्री राकेश शर्मा पुत्र श्री कन्हैयालाल शर्मा के नाम कर दी। श्री कन्हैयालाल शर्मा का देहावसान दिनांक 12.02.2008 को हो जाने के उपरांत आवेदक श्री राकेश शर्मा पुत्र स्व. श्री के.एल. शर्मा द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांकः-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/4438 दिनांकः 2.7.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कमल कुमार मेघानी पुत्र स्व. श्री नानक चंद मेघानी निवासी-1/261 गणेश तालाब कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण भूखंड संख्या-बी-323 इन्द्रा विहार कोटा (राज.) नगर निगम कोटा नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। भूखंड संख्या-बी-323 इन्द्रा विहार कोटा क्षेत्रफल-1800 वर्गफुट का कार्यालय नगर निगम कोटा द्वारा पत्र क्रमांक : 2013/35 दिनांक 09.04.2013 से भूखंड संख्या-बी-323 इन्द्रा विहार कोटा की श्री एन.सी. मेघानी पुत्र श्री रामचन्द्र के नाम लीज एग्रीमेंट जारी किया गया है। सब रजिस्ट्रार कोटा में पंजीयन कराने हेतु भिजवाया गया है। जो दिनांक 10.04.2013 को पंजीयन कार्यालय में पंजीकृत हो चुका है। श्री एन.सी. मेघानी पुत्र श्री रामचन्द्र की मृत्यु दिनांक 06.04.2022 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके शेष विधिक वारिसान श्रीमती सावित्री मेघानी, श्री मनोज कुमार मेघानी, श्रीमती मोनिका मेघानी पिसरान स्व. श्री एन.सी. मेघानी ने पंजीकृत हक पत्र दिनांक 31.07.2024 से अपना हक श्री कमल कुमार मेघानी पुत्र स्व. श्री नानक चंद मेघानी के पक्ष में हकत्याग किया है। श्री कमल कुमार मेघानी पुत्र स्व. श्री नानक चंद मेघानी के पक्ष में नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जानी है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

हाईटेंशन लाइन से नहीं रखी पर्याप्त दूरी तो नहीं मिलेगा बिजली कनेक्शन

■ बिजली की हाईटेंशन लाइनों के नीचे मकानों में करंट का खतरा

■ बरतें विशेष सावधानी, जरा सी चूक पड़ सकती है भारी

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में कई स्थानों पर हाईटेंशन विद्युत लाईनों के नीचे या हाईटेंशन लाईनों से बिना पर्याप्त दूरी रखे ही लोगों ने अपने मकान बना लिए हैं, इनमें से कई कच्ची बस्तियां भी है जहां असामाजिक तत्वों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे कर भोले-भाले गरीब लोगों को कम दामों पर प्लॉट बेच दिए और अपना आशियाना बनाने की चाहत में गरीब लोग अब विद्युत लाइनों के नीचे खतरे के बीच अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। सकतपुरा क्षेत्र में काली बस्ती, बजरंगपुरा, हनुमान गढ़ी, डीसीएम क्षेत्र में प्रेमनगर प्रथम, द्वितीय व तृतीय, कंसुआ, विज्ञान नगर क्षेत्र में संजय नगर बस्ती, दादाबाड़ी क्षेत्र में शिवपुरा, हनुमान बस्ती आदि कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां हाईटेंशन विद्युत लाईनों के नीचे या उनके काफी नजदीक तक लोगों ने अपने मकान बनाए हुए हैं। बारिश के समय इन इलाकों में लोगों को वैसे ही विद्युत लाईनों से हादसे की आशंका बनी रहती है, वहीं जरा सी गलती उनके लिए जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। ऐसे स्थानों पर जहां विद्युत लाइनों के काफी नजदीक तक लोगों ने निर्माण कर लिए है, उन्हें केईडीएल की ओर से नोटिस भी दिए गए हैं। लेकिन लोगों को अवैध रूप निर्माण करने से रोकने के लिए संबंधित एजेंसियों द्वारा पुख्ता निगरानी की आवश्यकता है। केईडीएल के टेक्निकल हैड अनोमित्रो ढाली ने बताया कि यदि कोई भी व्यक्ति विद्युत लाईनों के नजदीक मानक दूरी की अवहेलना करते हुए भवन निर्माण कर लेता है और उस मकान या संस्थान में नए विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन करता है तो उस व्यक्ति को केईडीएल की ओर से नियमानुसार बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं करवाया जाएगा। ऐसे में लोग इस बात का ध्यान रखें की विद्युत लाइनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखते हुए ही भवन निर्माण करें।

बरसात में छतों पर नहीं जाएं-केईडीएल के टेक्निकल हैड अनोमित्रो ढाली ने बताया कि आमजन अपने जीवन को खतरे में नहीं डालें और विद्युत लाईनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखते हुए ही भवन निर्माण करें। आपके व आपके परिजनों के जीवन से बढ़कर कुछ भी नहीं है, ऐसे में विद्युत लाईन यदि आपके घर के नजदीक है तो वहां पर्याप्त दूरी छोड़कर पीछे से मकान बनाएं। वहीं जिन लोगों के मकान बने हुए है तथा विद्युत लाईन काफी नजदीक है या मकान की छत के ऊपर से गुजर रही है तो वे इस बरसाती मौसम में विशेष सावधानी बरतें ताकि कोई अनहोनी नहीं हों। विद्युत लाईनें मकानों के काफी नजदीक है तो छतों पर नहीं जाएं, छतों पर कपड़े आदि नहीं सुखाएं। बच्चों को भी इसके लिए जागरूक करें।

विद्युत लाइनों के नंगे तारों पर प्लास्टिक के पाइप चढाने की भूल नहीं करें-केईडीएल के टेक्निकल हैड अनोमित्रो ढाली ने बताया कि कई लोग अपने घर के पास से जा रही हाईटेंशन विद्युत लाईन या एलटी लाईन के नंगे तारों पर प्लास्टिक के पाईप को बीच में से चीर कर उसे तारों पर चढ़ा देते हैं, इसके बाद वे निश्चिंत हो जाते हैं कि अब यदि विद्युत लाईन के संपर्क में आ भी गए तो उन्हें करंट नहीं लगेगा, लेकिन यह लोगों की सबसे बड़ी भूल व नासमझी है। उसके नजदीक जाने पर विद्युत सुचालक वस्तु में करंट प्रवाहित हो जाता है। वहीं हाईटेंशन लाईन पर चढ़ाए गए प्लास्टिक के पाईप में बरसाती पानी भर जाने से वह हमेशा गीला बना रहता है तथा उसमें करंट प्रवाहित रहता है, ऐसे में प्लास्टिक के पाईप के संपर्क में आने से भी उसी तरह करंट लग सकता है।

आभूषण चोरी का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने सोने के आभूषण चोरी के दर्ज मामले में कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तर किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 27 मई को इटावा थाने में फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि दो अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान पर सोने के जेवरात खरीदने आये, जो जेवरात खरीदते समय सोने के झुमके, नथ आदि आभूषण चोरी करके ले गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। अज्ञात चोरो की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक शिवम जोशी के सुपरविजन में कार्रवाई की ।

रीको रानपुर में हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण

■ प्रबंधक कार्यालय के पीछे स्थित रिक्त भूमि पर बुधवार को पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

कोटा, (निसं)। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत रीको रानपुर, कोटा स्थित क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय के पीछे स्थित रिक्त भूमि पर बुधवार को पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 पौधों का रोपण कर अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान लघु उद्योग भारती रानपुर इकाई एवं रीको, कोटा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक रीको के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एम.के.शर्मा ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र को हरित और स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि रानपुर क्षेत्र में 400 से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा, जिनमें से प्रथम चरण में 150 पौधे लगाए जा चुके हैं।

इस अवसर पर रीको रानपुर इकाई के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि अभियान के तहत शीशम, गुलमोहर, अमरूद, जामुन, पीपल, अशोक सहित कई फलदार एवं छायादार पौधों का चयन किया गया है, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में हरियाली के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। पौधरोपण कार्यक्रम में रीको क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव सक्सेना, लघु उद्योग भारती रानपुर इकाई के सचिव नभ शर्मा, कोषाध्यक्ष पुरण गुप्ता, सहित कई गणमान्य उद्योगपतियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। यह पहल न केवल पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि औद्योगिक क्षेत्रों को हरियाली से आच्छादित करने की दिशा में सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी का भी परिचायक है।

रेलवे बोर्ड व जोनल रेलवे के खिलाफ प्रदर्शन

कोटा, (निसं)। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के बैनर तले बुधवार को कोटा लॉबी पर रनिंग स्टॉफ ने रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे पक्षपात पूर्ण व्यवहार को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ कोटा मण्डल के मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने बताया कि दिनांक 01 जुलाई से 4 जुलाई तक वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के आवाहन पर तीनों मण्डलों का रनिंग स्टॉफ रेल प्रशासन द्वारा अपनाये जा रहे दौहरे रव्वैये को लेकर पश्चिम मध्य रेल की सभी लॉबियों पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

इसी कड़ी मे आज कोटा लॉबी पर रनिंग स्टाफ द्वारा सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया गया। रनिंग स्टॉफ को केवल सिम प्रदान की गई हैं, कोई भी मोबाईल सेट नही दिया गया है जिससे इस सिम का स्टॉफ के लिए कोई औचित्य नहीं है साथ ही कोटा स्टॉफ को बीना रनिंग रूम मे भेजने, ओवर हार्व्स ड्यूटी करवाने, मनमाने तरीके से सागर क्रेक चलवाने, आउट स्टेशन रेस्ट कम करने व रनिंग रूम मे व्याप्त अनियमितताओं को लेकर पूरे रनिंग स्टाफ मे रोष व्याप्त है, जिसके विरोध मे ही आज यह सांकेतिक प्रदर्शन किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन मे मुख्य रूप से लोको शाखा सचिव मट्टू लाल मीना, अमरनाथ पाण्डेय, मुकेश शुक्ला, मुकेश डेक्वा, विजय मेघवाल, संदीप टेलर, गोविंद कारपेंटर, खेमराज मीना, किरोड़ी मीना, पूरणमल, दीपेंद्र समेत कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर में 50 यूनिट रक्त एकत्रित

कोटा, (निसं)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा कोटा मे चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला की प्रेरणा से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गयाद्य संस्था के निदेशक अशोक कुमार मीना और कोषाध्यक्ष लक्ष्मण नैनानी ने बताया कि रेड क्रॉस सोसायटी कोटा और रक्तकोष फाउंडेशन की टीम के द्वारा जनसाधारण व थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की मदद के लिये रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रेडक्रॉस सोसायटी, कोटा समाजहित मे रक्तदान करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं।

शहर में डाली जा रही है पाइप लाइनें

■ पालिकाध्यक्ष ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से साथ की समीक्षा

रामगंजमण्डी,(निसं)। भारतीय जनता पार्टी के शहर अध्यक्ष शैलेश काला व नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल ने बुधवार को नगर पालिका भवन में जलदाय विभाग रामगंजमण्डी के अधिशाषी अभियंता सोमेश मेहरा व सहायक अभियंता बच्चू सिंह मीणा के साथ पालिका क्षेत्र में जलदाय विभाग द्वारा बिछाई जारी पाईपलाईन की समीक्षा की और जहां-जहा भी पाईपलाईन डल चुकी है वहां पर रोड को तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए।

वहीं जहां पाइपलाइन डालना बाकी है वहां शीघ्र-अतिशीघ्र पाईपलाईन डालकर जल व्यवस्था को सुचारू रूप से करने पर चर्चा की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर द्वारा स्वीकृत पेयजल योजना अमृत 1 अमृत 2 शीघ्र पूरा करने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर भाजपा नेता महेंद्र सामरिया, पार्षद रामेश्वर अहीर, पार्षद लोकेश पवैचा, शिवराज मीणा, सतीश गौतम, वीरेंद्र सिंह शक्तावत,नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी तरुण लहरी व कनिष्ठ अभियंता हिमांशु अग्रवाल मोजूद रहे।

एटीएम मशीन से छेड़छाड़ कर रकम निकालने वाला आरोपी गिरफ्तार

■ नाबालिग को भी किया निरूद्ध

■ डूप्लीकेट चाबी और टेप की मदद से ठगी का खुलासा, यूट्यूब से सीखा तरीका

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर इलाके के तलवंडी में स्थित एसबीआई के एटीएम में एक अनोखे ठगी के मामले का खुलासा हुआ है जहां युवक सहित नाबालिग ने डुप्लीकेट चाबी और टेप की मदद से लोगों के खातों से पैसे निकालकर ठगी को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी सहित नाबालिग को निरूद्ध किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि 29 जून को फरियादी लोकेन्द्र सिंह ने अज्ञात जनों के खिलाफ एटीएम मशीन से छेड़खानी कर लोगों की रकम निकालने की रिपोर्ट दी। शहर एसपी ने बताया कि बैंक प्रतिनिधि की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की एवं एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले गये। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने एटीएम मशीन में रकम निकालने के आरोप में एक शातिर आरोपी सहित नाबालिग को निरूद्ध किया है। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण ने बताया कि आरोपी उत्तरप्रदेश निवासी अभिषेक वर्मा और उसका एक नाबालिग साथी कोटा में केवल एटीएम ठगी करने के इरादे से आए थे, और एसबीआई के जवाहर नगर एटीएम को अपना निशाना बनाया। इन्होंने पहले डुप्लीकेट चाबी से एटीएम खोलने की तकनीक सीखी और फिर मशीन के ट्रेलर पर टेप चिपका दी ताकि ट्रांजैक्शन के बाद पैसा बाहर न निकलकर मशीन में फंसा रहे। थानाधिकारी ने बताया कि दोनों एटीएम के पास खड़े होकर ग्राहकों के ट्रांजैक्शन पर नजर रखते थे।

जैसे ही कोई ग्राहक पैसा निकालकर चला जाता वे तुरंत अंदर जाकर डुप्लीकेट चाबी से एटीएम खोलते और टेप में फंसी नगदी निकाल लेते थे। इस पूरी योजना को उन्होंने यूट्यूब से सीखा था। थानाधिकारी ने बताया कि एटीएम मशीन में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्ध नजर आने पर कार्यवाही करते हुए गांव चांदनापुर थाना हुसैनगंज जिला फतेहपुर उत्तरप्रदेश निवासी शिवा उर्फ अविनाश वर्मा को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी के पास से एटीएम मशीन से चोरी किये गये 20 हजार रूपये बरामद किये। बाल अपचारी को निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेजा गया है जबकि अभिषेक वर्मा को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए अवैध पिस्टल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि शहर एसपी के निर्देश पर अवैध गतिविधियों व अवैध हथियारों व उनके सप्लायर के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिये अभियान चलाया जा रहा है। उसी अभियान के तहत इलाके के नया नोहरा के समीप अवैध हथियार पिस्टल लेकर वारदात की फिराक में घुमते हुए नयागांव निवासी अंकित गोस्वामी (18) को आर्म्स एक्ट में पकडा ।

कार्यालय उप वन संरक्षक, झालावाड़

Tele Fax No.-07432-232230 Email Id-defjhalawar1967@gmail.com

क्रमांकः एफ( )स्टोर/उवसं/2025-26/7858 दिनांकः-30.06.2025

अल्पकालीन खुली निविदा

सूचना संख्या-10/2025-26

वित्तीय वर्ष 2025-26 व 2026-27 (अधिकतम 2 वर्ष के लिए) विधिक प्रजातियों के बीज क्रय हेतु Rate Contract Based Bids are invited from interested bidders From 30-06-2025 Upto 03-07-2025 (Time 6:00 PM) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is (Rs 274000/0)

UBN-FOR 2526GSRC00814

NIB-FOR 2526A0649

(सागर पवार IFS)
उप वन संरक्षक
झालावाड़

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांकः-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/4439 दिनांकः 2.7.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मुकेश शर्मा पुत्र स्व. श्री कान्ती चंद्र शर्मा निवासी भूखंड संख्या 120-बी शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 120/बी, शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 120 शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x60'=1800 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल परियोजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक : लेखा/मण्डी/3340 दिनांक 09.10.1989 से श्री कान्ती चन्द्र शर्मा पुत्र गणपत लाल शर्मा को किया गया। कार्यालय नगर निगम कोटा द्वारा उप-विभाजन आदेश क्रमांक ननिको/वि.न.जोन/भ.नि.अनु./2016/758-59 दिनांक 02.05.2016 से उक्त भूखंड का भूखंड संख्या 120/ए शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट एवं भूखंड संख्या 120/बी शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट के रुप में उपविभाजन स्वीकृत किया गया। श्री कान्ती चन्द्र शर्मा ने जर्ये रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 27.05.2025 से भूखंड संख्या 120/बी, शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट की वसीयत श्री मुकेश शर्मा पुत्र श्री कान्ती चन्द्र शर्मा के नाम कर दी। श्री कान्ती चन्द्र शर्मा का देहावसान दिनांक 12.01.2018 को हो जाने के उपरांत आवेदक श्री मुकेश शर्मा पुत्र स्व. श्री कान्ती चन्द्र शर्मा द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांकः-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/4440 दिनांकः 2.7.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री योगेश शर्मा पुत्र स्व. श्री कान्ती चंद्र शर्मा निवासी भूखंड संख्या 120-ए शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 120/ए, शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 120 शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x60'=1800 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल परियोजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक लेखा/मण्डी/3340 दिनांक 09.10.1989 से श्री कान्ती चन्द्र शर्मा पुत्र गणपत लाल शर्मा को किया गया। कार्यालय नगर निगम कोटा द्वारा उप-विभाजन आदेश क्रमांक ननिको/वि.न.जोन/भ.नि.अनु./2016/758-59 दिनांक 02.05.2016 से उक्त भूखंड का भूखंड संख्या 120/ए शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट एवं भूखंड संख्या 120/बी शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट के रुप में उपविभाजन स्वीकृत किया गया। श्री कान्ती चन्द्र शर्मा ने जर्ये रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 27.05.2025 से भूखंड संख्या 120/ए, शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 30'x30'=900 वर्गफुट की वसीयत श्री योगेश शर्मा पुत्र श्री कान्ती चन्द्र शर्मा के नाम कर दी। श्री कान्ती चन्द्र शर्मा का देहावसान दिनांक 12.01.2018 को हो जाने के उपरांत आवेदक श्री योगेश शर्मा पुत्र स्व. श्री कान्ती चन्द्र शर्मा द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका रामगंजमण्डी जिला कोटा (राज.)

क्रमांकः न.पा.रा./2025/1650 दिनांकः 2.7.25

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका द्वारा अनुमोदित योजना में पट्टा नियमन आवंटन बाबत निम्न पत्रावलिया प्राप्त हुई है। उक्त पत्रावलियों में पट्टा दिये जाने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रमाण के सात दिवस की अवधि में इस कार्यालय में लिखित रुप में प्रस्तुत कर दें। समयवधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम मय पता	राजस्व ग्राम मय खसरा नं.	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	कॉलोनी का नाम
1	श्रीमती गायत्री गुप्ता पत्नी श्री रामबाबू गुप्ता जाति महाजन निवासी खैराबाद	खैराबाद 763	56	1000 वर्गफुट	महावीर कॉलोनी
2	श्रीमती टीना जोशी पत्नी श्री रामेश्वर पटवा जाति पटवा निवासी खैराबाद	खैराबाद 763	64	800 वर्गफुट	महावीर नगर
3	श्री मनोज करनानी पुत्र श्री गेहीलाल जाति सिन्धी निवासी रामगंजमण्डी	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	8 E part	760.08 वर्गफुट	शांति कुंज
4	श्री मनोज करनानी पुत्र श्री गेहीलाल जाति सिन्धी निवासी रामगंजमण्डी	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	8 W part	781.87 वर्गफुट	शांति कुंज
5	सुश्री जसप्रीत कौर पुत्री श्री सुरेन्द्र सिंह सलूजा जाति सिक्ख निवासी रामगंजमण्डी	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	56	700 वर्गफुट	शांति कुंज
6	सुश्री जसप्रीत कौर पुत्री श्री सुरेन्द्र सिंह सलूजा जाति सिक्ख निवासी रामगंजमण्डी	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	55	700 वर्गफुट	शांति कुंज
7	भाग्य श्री कॉर्पोरेट्स एल.एल. पी. जर्ये डेजिगनेटेड पार्टनर मनोज करनानी पुत्र श्री गेहीलाल जाति सिन्धी निवासी रामगंजमण्डी	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	14	540 वर्गफुट	शांति कुंज
8	श्री घनश्याम मेघवाल पुत्र श्री फूलचंद जाति मेघवाल निवासी हनोनिता तहसील रामगंजमंडी	खैराबाद 3231 व 3232	40	986.75 वर्गफुट	आदिनाथ परिसर
9	श्रीमती बलविन्दर कौर पत्नी श्री जसलीन सिंह जाति सिक्ख निवासी रामगंजमण्डी	गोरधनपुरा 780/106,783/101, 792/782,794/786, 788/97	4	1843.39	सूर्य नगर
10	सुश्री शानू तिवारी पुत्री श्री नन्द किशोर जाति ब्राह्मण निवासी खैराबाद	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	22	900 वर्गफुट	शांति कुंज
11	श्री प्रदीप सिंह पुत्र श्री भगवत सिंह जाति राजपूत निवासी रामगंजमण्डी	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	68	1125 वर्गफुट	शांति कुंज
12	श्री हेमन्त राव पुत्र श्री उमाशंकर राव जाति राव निवासी खैराबाद	खैराबाद 3937/581,582 583,584,586	65	875 वर्गफुट	शांति कुंज

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रामगंजमण्डी

वल्लभनगर व बागोलिया में पौने दो-दो इंच बारिश, जनजीवन प्रभावित

सीसारमा नदी से पानी की आवक जारी, पीछोला का जलस्तर 7 फीट 2 इंच हुआ

उदयपुर शहर के पहाड़ी गांव रायता में मौसम का लुत्फ उठाने लोगों का जमावड़ा रहा।

■ दो दिन और बारिश की संभावना, लेकसिटी में ऑरेंज अलर्ट के बीच सुबह से शाम तक बारिश

उदयपुर, (कासं)। झीलों की नगरी में मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बीच बुधवार सुबह से शाम तक बारिश होती रही। हालांकि बारिश का दौर दोपहर बाद थमा, लेकिन रिमझिम फुहारे शाम तक चलती रही। इधर, बीते 12 घंटों में जिले में सर्वाधिक बारिश वल्लभनगर व बागोलिया में पौने दो-दो इंच रिकॉर्ड की गई। उदयपुर शहर में सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बीते 12 घंटों में 10 मिमी बरसात हुई। इधर, शहर का पहाड़ी गांव रायता में मौसम का लुत्फ उठाने लोगों का जमावड़ा रहा। सीसारमा नदी से पीछोला में हल्की आवक बरकरार है। बीते 24 घंटों में पीछोला का जलस्तर 1 इंच बढ़ा है और यह अब 7 फीट 2 इंच हो गया है। दिन व रात का तापमान भी एक समान रहा। अधिकतम 25.9 तो न्यूनतम 25.7 दर्ज किया गया।

लेकसिटी में सुबह से मौसम का दौर शुरू हुआ और मौसम खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग द्वारा ऑरेंज अलर्ट के शहरों में शामिल उदयपुर शहर में दिनभर रिमझिम होती रही। दिनभर बौछारों के बीच पहाड़ियां बादलों से घिरी रही। इधर, सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे तक समाप्ते बीते 12 घंटो में उदयपुर शहर में 10 मिमी, बागोलिया 42 मिमी, वल्लभनगर 43 मिमी, देवास प्रथम 11, गोगुन्दा 29, मदार 13, ओगणा, उदयसागर, नाई में दस-दस मिमी, झाड़ोल 16 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। सीसारमा नदी एक फीट से बहते हुए पीछोला का जलस्तर बढ़ा रही है। पीछोला 7 फीट 2 इंच हो गया है। इधर, फतहसागर झील में आवक शुरू नहीं हो पाई है। वहीं आगामी दो दिन भी शहर में बारिश रहने की मौसम विभाग ने संभावना जताई है।

उदयपुर में जारी बारिश को देखते हुए कलेक्टर नमित मेहता के नेतृत्व में प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष को भी 24 घंटे सक्रिय कर दिया गया है। इसके साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमें मुस्तैदी से जुटी है। किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए बाढ़ नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया जा सकता है। वहीं आमजन से तेज बहाव वाले पानी से दूर रहने की अपील की गई है।

साक्षात्कार कार्यक्रम जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग) भर्ती-2019 के अंतर्गत प्रथम चरण का साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है।

आयोग सचिव ने बताया कि प्रथम चरण का साक्षात्कार कार्यक्रम की विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए प्रथम चरण में साक्षात्कार का आयोजन 11, 18 एवं 25 जुलाई को निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा।

आयोग सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे।

111 अभ्यर्थी मुख्य सूची में सफल घोषित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 अंतर्गत पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत सफल रहे अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा का पुन: आयोजन 23 मार्च को किया गया था। परीक्षा के फलस्वरुप 24 अप्रेल को जारी विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित प्रशासनिक विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय के पदों के विरुद्ध 21 अभ्यर्थियों तथा अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ के पदों के विरुद्ध 90 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

पटवारी ने जमीन का नामांतरण दर्ज करने के लिए रिश्वत मांगी

■ पटवारी ने पहले मोबाइल पर 20 हजार रुपए लिखकर मांगे, सत्यापन के दौरान तीन हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हो गई

बीकानेर, (निसं)। सोमलसर गांव में जमीन का नामांतरण दर्ज करने के बदले हल्का पटवारी की ओर से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। पटवारी ने पहले मोबाइल पर 20 हजार रुपए लिखकर मांगे और फिर बाद में सत्यापन के दौरान तीन हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हो गई।

सोमलसर गांव निवासी परिवादी की ओर से भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल यूनिट को 11 मई को शिकायत की गई थी कि उसकी मां संतोष और परिचित सुक्री के नाम 2.5 बीघा जमीन खरीदी गई थी। इस जमीन का नामांतरण करवाने के लिए सोमलसर हल्के के राजस्व पटवारी राकेश गोदारा से मिला तो उसने खर्चा-पानी देने के लिए कहा। आरोपी ने परिवादी को मोबाइल पर 20 हजार रुपए लिखकर बताए। एसीबी की स्पेशल यूनिट ने 12 मई को शिकायत का सत्यापन किया तो धर्मशाला के निजी कमरे में तीन हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हो गई। इस दौरान पटवारी ने पास बैठे व्यक्ति को रिश्वत की राशि देने का इशारा किया। परिवादी ने रुपयों का इंतजाम करने की बात कही तो उसे अगले दिन 13 मई को कार्यालय बुलाया गया। दोनों में वार्ता हुई। पटवारी ने परिवादी के गांव के व्यक्ति को रिश्वत की राशि देने के लिए कहा।

दोनों की वार्ता में एक बार फिर रिश्वत मांगने की पुष्टि हो गई। जिस व्यक्ति को रिश्वत देने के लिए कहा गया, वह परिवादी के गांव का था। परिवादी उसे रिश्वत की राशि नहीं देना चाहता था। पटवारी ने परिवादी को धर्मशाला में बैठे एक अन्य अनजान व्यक्ति को राशि देने के लिए कहा। आरोपी पटवारी को भनक लग गई थी। इसलिए वह खुद सामने नहीं आया और बचता रहा। बाद में ट्रैप नहीं होने के हालात बने तो एसीबी की स्पेशल यूनिट ने रिश्वत मांग की रिपोर्ट बनाकर जयपुर मुख्यालय को भेज दी। वहां कुचोर आथूणी निवासी आरोपी पटवारी राकेश गोदारा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया जिसकी जांच एसीबी की बीकानेर चौकी के इंस्पेक्टर आनंद मिश्रा को सौंपी गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से मकान ध्वस्त

मसूदा, (निसं)। मंगलवार रात तेज बारिश के चलते आकाशीय बिजली गिरने से ग्राम पंचायत धोलादाता के गांव पीथादादा का बाड़िया में एक मकान ध्वस्त हो गया। सूचना मिलने पर सरपंच व पटवारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी प्राप्त कर सरकार से जो भी मदद दिलवाने का आश्वासन दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीथादादा का बाड़िया निवासी सुरेन्द्र पुत्र भंवर मेहरात मंगलवार को मजदूरी करके देर रात घर आया तो मकान ध्वस्त देखकर उसके होश उड़ गए। फिर आसपास जानकारी ली गई तो बताया कि तेज बारिश के बाद आकाशिय बिजली गिरने से मकान ध्वस्त हो गया। सुरेश ने बताया कि मेरे माता-पिता की मौत के बाद में अकेला ही इस मकान में रहता हूं। लेकिन अब मकान ध्वस्त होने से घर का सारा सामान व खाद्य सामग्री मलबे के ढेर में दब गया।

नसीराबाद में मूसलधार से सड़कें जलमग्न : शहर में मंगलवार रात से जारी बारिश बुधवार सुबह तेज हो गई, जिसने पूरे इलाके को अपनी गिरफ्त में ले लिया। लगातार गिरती बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। रोज के कामकाज पर असर साफ दिखा। कई लोग घरों में ही बंद रहे और जो जरूरी काम से निकले, उन्हें जगह-जगह पानी और कीचड़ से गुजरना पड़ा। बाजारों में भी भीड़ कम रही और कई दुकानदारों ने समय से पहले ही दुकानें बंद कर दीं।

युवक की मौत

उदयपुर। शहर के सविना थाना क्षेत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सवेरे गीताजंलि चिकित्सालय के सामने घाटावाली रेस्टोरेंट के सामने अज्ञात युवक अचेतावस्था में पड़ा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जिसकी तलाशी करने पर मिले आधार कार्ड में गमेरसिंह राजपूत पुत्र लक्ष्मणसिंह निवासी स्टेशन के पास भीमल मावली के रूप में शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। परिजनों के आने पर सविना थाना एएसआई लालसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। गमेरसिंह पुरोहितों की मादड़ी में रहते हुए शेंटिंग का काम करता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मृत्यु के कारणों का पता चल पाएगा।

सरवाड़ क्षेत्र में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

सरवाड़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में दो दिन से रुक-रुककर चल रही बारिश के कारण कई गांवों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई वहीं पानी घरों में घुस गया व आवागमन भी बाधित हो गया। इस आपात स्थिति को देखते हुए सरवाड़ उपखण्ड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायज़ा लिया एवं तहसीलदार विकास अधिकारियों को त्वरित राहत कार्यों के निर्देश दिए। तहसीलदार बंटी राजपूत ने तत्परता दिखाते हुए सभी पटवारियों एवं विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने ग्राम विकास अधिकारियों को मुख्यालय पर उपस्थित रहने के निर्देश जारी किए। ग्राम कासीर में जलभराव की स्थिति को नियंत्रित नियंत्रित करते हुए पानी निकासी करवाई।

सहदेव हत्याकांड : आरोपी कैंपर चालक गिरफ्तार

अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं

पुलिस ने ऑनर किलिंग के आरोपी को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना पुलिस ने बुधवार को ऑनर किलिंग के सनसनीखेज सहदेव हत्याकांड में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। वारदात के वक्त कैंपर वाहन चालक और किडनैपिंग एवं हत्या में शामिल नागौर निवासी कैलाश राम को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस उससे घटना में प्रयुक्त कैंपर की बरामदगी सहित अन्य आरोपियों की जानकारी के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभूसिंह ने बताया कि सहदेव हत्याकांड में अब तक तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। गिरफ्तार कैलाश राम की भूमिका कैंपर वाहन चलाने और वारदात के बाद उसे छुपाने की थी। पुलिस का मानना है कि आरोपी से पूछताछ में अन्य आरोपियों के महत्वपूर्ण सुराग सामने आएंगे। मालूम हो कि 13 जून को सहदेव एग्जाम के लिए अजमेर आया था, जहां बस स्टैंड पर करिश्मा के परिवार ने उसका अपहरण कर उसकी बेरहमी से हत्या कर शव को रातंगा गांव के पास खेत में फेंक दिया गया था।

सहदेव के पिता रामदेव भाकर ने सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसी प्रकरण से जुड़े अन्य घटनाक्रम में करिश्मा जो सहदेव के साथ रातंगा गांव में रहती थी, उसने भी 25 जून की सुबह घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस मामले की हर कड़ी की गहनता से जांच कर रही है। ऑनर किलिंग मामले में शामिल सभी दोषियों को गिरफ्तार किया जा सके।

अजमेर : फैंसी स्टोर में भीषण आग लगने से दस लाख का नुकसान

पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम पहुंची और आग पर काबू पाया

अजमेर में पुरानी मंडी स्थित फैंसी स्टोर में आग लग गई।

■ शरारती तत्व दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे खोल कर ले गए

अजमेर, (कासं)। शहर के डिग्गी बाजार स्थित फैंसी स्टोर में बुधवार अलसुबह भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना पर क्लॉक थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में दुकान मालिक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। शरारती तत्व दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे खोल कर ले गए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब पांच बजे डिग्गी बाजार स्थित राजू फैंसी की दुकान में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं उठता देखा तो इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी और पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। संकरी गलियों के कारण फायर ब्रिगेड की टीम को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। संकरी गली के चलते बड़ी गाड़ी को अंदर तक लाने में देरी हुई। दमकल कर्मचारियों ने दुकान का शटर खोलकर आग बुझाने के प्रयास किए। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, जिससे आग अन्य दुकानों तक नहीं फैल सकी।

घटना की जानकारी मिलते ही दुकान मालिक लक्ष्मण दास और उनका परिवार मौके पर पहुंच गया। दुकान में रखे कपड़े, प्लास्टिक और अन्य फैंसी आइटम जलकर राख हो गए। दुकान मालिक लक्ष्मण ने बताया कि आगजनी की इस घटना में करीब दस लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान में हाल ही में नया माल आया था, जो पूरी तरह जल गया। उन्होंने बताया कि दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को निकला गया है। लक्ष्मण ने शरारती तत्वों की हरकत से इंकार नहीं किया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुकान मालिक से घटना की जानकारी ली और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

तीन दुकानों से 420 किलो मावा जब्त

यह मावा उदयपुर शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई किया था

■ डीएसटी और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त कार्रवाई की

उदयपुर, (कासं)। जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) उदयपुर ने बुधवार को मिलावटखोरी की शिकायत पर 3 दुकानों पर कार्रवाई करते हुए 420 किलो मावा जब्त किया गया। पहली कार्रवाई सीमेंट गली काली बावड़ी स्थित धर्मराज मावा भंडार पर हुई, जहां से 140 किलो मावा जब्त किया। वहीं दूसरी कार्रवाई में भोपालवाड़ी कालीबावड़ी स्थित लक्ष्मी मावा भंडार से 245 किलो और तीसरी कार्रवाई में धानमंडी सरकारी स्कूल स्थित बीकानेर मावा भंडार से 35 किलो मावा जब्त किया।

जानकारी के अनुसार यह मावा उदयपुर शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई किया था। शिकायत मिलने पर डीएसटी और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और छापामार कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि टीम ने मावे के सैम्पल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मावे में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रसायनों का उपयोग किया गया है। फिलहाल विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि यह मावा किस तरह से तैयार किया गया था और इसमें मिलावट के लिए किन-किन तत्वों का इस्तेमाल किया गया। डीएसटी की इस कार्रवाई से मिलावटखोरों में हडकंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों और अन्य आयोजनों में डेयरी उत्पादों की खरीद सावधानी पूर्वक करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध सामग्री की जानकारी तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषयों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

Executive Engineer Water Resourees Division Karauli

Nol 1305 Date:24.06.2025

Notice Inviting Bid (NIT 01/2025-26)

Bids for 3 nos works under MGNAREGA and MLA LAD are invited from interested bidders from 25.06.2025 to dated 04.07.2025 upto 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement in Total Rs. 33.03 Lacs.

NIB CODE-WRD25260187, UBN NO. WRD2526WSOB00541, WRD2526WSOB00542, WRD2526WSOB00543

(Susheel Kumar Gupta)
Executive Engineer
Water Resources Divison Karauli

DIPR/C/8930/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक, जयपुर

ग्रास फार्म नर्सरी, खातीपुरा रोड, जयपुर

Email I.D: dfosouthjpr@gmail.com Phone No. 0141-2350061

ई-निविदा विज्ञप्ति 05-2025-26

इस कार्यालय के पत्रांक राजकाज नम्बर 16217445 दिनांक 25.06.2025 द्वारा रेंज फागी अधीन क्षेत्र एच.एच.-52 जयपुर से देवली खंड चैयनेज संख्या 03 किलोमिटर से 27 किलोमिटर दूरी में रोड के दोनों साईट आर.सी.सी. पोस्ट लगाकर बारबड वायर व फैंसिंग जाली लगाने का कार्य की राशि रू. 18348902/- दिनांक 04.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है। उक्त ई-निविदा से संबंधित समस्त बोली विवरण/प्रपत्र/नियम एवं शर्ते वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, And www.sppp.raj.nic.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

UBM- (FOR2526WSOB00770) 25.06.2025

(वी.केतन कुमार) IFS
उप वन संरक्षक, जयपुर

DIPR/C/8965/2025

कार्यालय (वि.) नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः-ननिको द./वि0/2025/281-287 दिनांक : 27.06.2025

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा किसी भी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में निम्न कार्य को करने वाले अनुभवी संवेदकों से ई-निविदा पद्धती से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित राशि, निविदा बेचे जाने, प्राप्त करने, अन्य शर्ते एवं जानकारी निगम वेबसाईट http://kotamcsouth.org.com, urban.rajasthan.gov.in/nnks, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(अनुमानित राशि 49.98 लाख रूपये)

NIB CODE : DLB2526A3030

UBN NO. : DLB2526WSOB09499

अधिशाषी अभियंता (वि0)
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/5419

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 13)/2025/ई-11697

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या- (ERCC/RCC 13)/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसो व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 31 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्ते विभागीय वेबसाइ www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी Rail Tel की वेबसाईट https://rajminorrcceree.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

DIPR/C/8641/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड नैनवां

क्रमांक-321 **निविदा सूचना संख्या-03/2025-26** दिनांक-18.06.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सा.नि.वि. खण्ड नैनवां के अन्तर्गत सड़क मरम्मत एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिये राशि रू. 382.00 के उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, व ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.raj.nic.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा डाउनलोड करने की दिनांक 23.06.2025 से 05.07.2025 तक सायं 6.00 बजे तक।

S.No.	UBN NO.	S.No	UBN NO.
1	PWD2526WSOB05080	9	PWD2526WSOB05087
2	PWD2526WSOB05081	10	PWD2526WSOB05089
3	PWD2526WSOB05082	11	PWD2526WSOB05091
4	PWD2526WSOB05083	12	PWD2526WSOB05094
5	PWD2526WSOB05084	13	PWD2526WSOB05096
6	PWD2526WSOB05085	14	PWD2526WSOB05097
7	PWD2526WSOB05086	15	PWD2526WSOB05099
8	PWD2526WSOB05087	16	PWD2526WSOB05101

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नैनवां

DIPR/C/8580/2025

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण

भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com
Website: https://artandculture.rajasthan.gov.in/rha

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26

निम्नलिखित कार्यो के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों द्वारा पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Development and Construction of Entry gate, exit gate, entry exit plazas and Krishna leela sculptures for Goverdhan Parikrama marg (Goverdhan Corridor Project) at Poonchari ka Lotha at district Deeg in the state of Rajasthan. UBN is: HPP2526WLOB00014	1563.00 Lakh	15 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/5422 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.

Office of The Municipal Board, Deoli (Tonk) Rajasthan
Tel.- (01434) 232013, E-mail : npdeoli@gmail.com

क्रमांक/न.पा.दे./विकास/ई निविदा/2025-26/2403 दिनांक : 01.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या (04/2025-26)

नगरपालिका देवली (टोंक) द्वारा नगर निकाय देवली एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्व ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन-लाईन निविदा दिनांक 02.07.2025 को प्रातः 9.00 बजे से 12.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जरिये RTGS/NEFT द्वारा HDFC Bank Account Number 25991450000134 IFSC Code HDFC0002599 में दिनांक 12.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक जमा करवाकर Transction ID सहित बैंक स्टेटमेन्ट की प्रति ऑनलाईन अपलोड करनी होगी। तकनीकी बिड दिनांक 14.07.2025 को एवं वित्तीय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में उपलब्ध है। 04 कार्य की कुल लागत 101.75 लाख है।

NIB Code – DLB2526A3074

UBN No. - DLB2526WSOB09619, DLB2526WSOB09621, DLB2526WSOB09623, DLB2526WSOB09625

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका देवली

राज.संवाद/सी/25/5387

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड़, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/11/2025-26/2824 दिनांक :- 30.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	1
कार्यो की अनुमानित लागत	15.00 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	01.06.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	02.07.2025 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	15.07.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	16.07.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	16.07.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB09633

राज.संवाद/सी/25/5388 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

ई.डी. ने कूकस स्थित होटल फेयर माउंट में दबिश दी

महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी

-कार्यालय संवाददाता-

■ टीम को ऐप से जुड़े कुछ संदिग्ध लोग होटल में एक शादी समारोह के सिलसिले में ठहरे होने की जानकारी मिली थी

■ आरोपियों को हिरासत में लेकर की जा रही है पूछताछ

■ इसी मामले में 16 अप्रैल को भी जयपुर में ईडी ने मारे थे छापे

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कूकस स्थित फाइव स्टार होटल फेयर माउंट में महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी की। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई रायपुर (छत्तीसगढ़) से आई विशेष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) टीम द्वारा की गई। जिन्हें इनपुट मिला था कि इस ऐप से जुड़े कुछ संदिग्ध लोग होटल में एक शादी समारोह के सिलसिले में ठहरे हुए हैं। जिसके बाद टीम ने होटल के दो-तीन कमरों में ठहरे कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने में जुटी है।

ईडी टीम को यह इनपुट मिला था कि महादेव ऐप के संबंध में वांछित व संदिग्ध व्यक्ति जयपुर के कूकस स्थित फेयरमोंट होटल के दो-तीन कमरों में ठहरे हुए हैं। इनका संबंध महादेव बेटिंग ऐप के अवैध नेटवर्क से बताया जा रहा है। इसी आधार पर कार्रवाई करते हुए ईडी ने होटल में दबिश दी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पूछताछ शुरू की।

जानकारी के अनुसार महादेव बेटिंग ऐप मामले में छत्तीसगढ़ से आई ईडी की टीम ने 16 अप्रैल को जयपुर में ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापा मारा था।

सोडाला स्थित एपल रेजीडेंसी में व्यापारी भरत दाधीच के फ्लैट पर ईडी की टीम ने सर्च किया था। इसके साथ ही महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोगों के 60 ठिकानों पर सर्च कार्रवाई की गई थी। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़, भोपाल (मध्य प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दिल्ली और राजस्थान में एक साथ की गई थी। उस दौरान मनी लॉन्ड्रिंग, क्रिप्टो करेंसी और शैल कंपनियों से जुड़े अहम सबूत मिले थे और कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

जानकारी के अनुसार महादेव बेटिंग ऐप एक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच है, जो क्रिकेट, फुटबॉल जैसे खेलों पर सट्टा लगाने के लिए जाना जाता है। यह ऐप और इसकी वेबसाइट के जरिए अरबों रुपये का लेन-देन करता है। ईडी की जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क में कई प्रभावशाली लोग और व्यावसायिक संस्थाएं शामिल हैं। अनुमान है कि इस घोटाले में चालीस हजार करोड़ रुपये तक की हेराफेरी हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले साल भी ईडी ने इस नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की थी और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

अप्रैल में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कोलकाता और दिल्ली में 60 से अधिक ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इसका नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है। इसमें कई प्रभावशाली लोग भी शामिल हैं।

जन्मदिवस पर वृक्षारोपण किया

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा प्रदेश कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर हरित राजस्थान का संदेश दिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि इस अवसर पर कार्यालय में कार्यरत सफाईकर्मियों एवं सुरक्षा कर्मचारियों का सम्मान कर उन्हें मिठाई वितरित की गई। इस विशेष आयोजन में भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, अजीत माँडन, मिथिलेश गौतम, स्टेफी चौहान, प्रमोद वशिष्ठ, अपूर्वा सिंह एवं प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत, जयपुर जिला महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी ने भाग लिया।

राजधानी जयपुर में दिनभर की उमस के बाद बुधवार शाम को तेज बारिश का दौर चला, इससे देखते ही देखते शहर की सड़कों पर पानी भर गया। इससे पहले आसमां में दिनभर काले बादल छाये रहे।

‘राजस्व से जुड़े वर्षों से लंबित कार्यों का मौके पर हो रहा निस्तारण’

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर चल रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविरों में आमजन विशेषकर ग्रामीण, गरीब एवं वंचित वर्ग के विभिन्न प्रकरणों का मौके पर निस्तारण हो रहा है। इन शिविरों में जनता के सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, नामांतरण एवं सहमति पत्र जैसे राजस्व संबंधित समस्याओं को त्वरित समाधान किया जा रहा है। लोगों के राजस्व संबंधित वर्षों से लंबित काम तेजी से पूरे हुए है जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। आमजन इन शिविरों में जमीनी विवाद के मनमुटाव भूलकर आपसी सहमति और समझाइश से विवादों का समाधान कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख समस्या राजस्व से संबंधित रहती हैं। इसके दृष्टिगत इस पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित शिविरों में राजस्व संबंधी प्रमुख प्रकरणों के निष्पादन का कार्य तत्परता से किया जा रहा है। अब तक की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार पखवाड़े में सीमाज्ञान के 27 हजार 891, नामांतरण के 65 हजार 920, सहमति विभाजन के 13 हजार 215 और रास्तों के 13 हजार 821 प्रकरणों को निस्तारण करते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है। इसी तरह, इन शिविरों में राजस्व संबंधित प्रकरणों में अबतक 4 हजार 179 लंबित पत्थरगढ़ी प्रकरणों का निस्तारण किया गया है तथा 4 हजार 102 लंबित कुर्रेजात रिपोर्ट तैयार कर जनता को राहत दी गई है।

शिविर के दौरान अमरसिंह ने अतिक्रमण हटाने के संबंध में अधिकारियों के समक्ष अपना प्रकरण रखा। इस पर अधिकारियों ने त्वरित निर्णय लेते हुए राजस्व टीम को मौके पर भेजा तथा 2 किलोमीटर लम्बें रास्तें में हो रहे अतिक्रमण को भौतिक रूप से हटवाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का जन्मदिवस पर पाली स्थित उनके निवास पर भारतीय संस्कृति, सेवा भावना और समाज कल्याण के मूल्यों के साथ सादगीपूर्ण ढंग से मनाया गया। मदन राठौड़ ने सपत्नीक प्रातकाल विधिवत पूजा-अर्चना और हवन किया। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक प्रतिनिधि और आम नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने राठौड़ के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति में एक अनुकरणीय नेतृत्व का प्रतीक बताया। राठौड़ के जन्मदिवस को "सेवा दिवस" के रूप में भी मनाया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

■ अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त हनुमान सहाय को बीस साल की सजा सुनाई

जयपुर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त हनुमान सहाय को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 2.85 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग पीडिता के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने का अपराध किया हैं। अभियुक्त का यह अपराध गंभीर और घृणित प्रकृति का है। ऐसे में उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अदालत ने कहा कि घटना में यदि पीडिता की सहमति भी रही थी तो भी यह अपराध कर श्रेणी में माना जाएगा। कानून में नाबालिग की सहमति कोई महत्व नहीं रखती है। वहीं डीएनए रिपोर्ट से भी साबित है कि अभियुक्त ने पीडिता से दुष्कर्म किया था।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर 22 जुलाई, 2022 को पीडिता ने अलवर के महिला चिकित्सालय में विराटनगर थाना पुलिस को पर्चा बयान दिया था। जिसके कहा गया कि 12 अप्रैल, 2022 को वह स्कूल गई थी। स्कूल में उसकी तबीयत खराब हो गई थी। वहीं रास्ते में वह बेहोश हो गई थी। इसके बाद उसे घर पर होश आया। इसके तीन-चार दिन बाद चारा लाने के दौरान भी वह रास्ते में बेहोश हुई। एक दिन पहले उसके पेट में दर्द हुआ तो चिकित्सक ने उसे गर्भवती होना बताया। पर्चा बयान में पीडिता ने कहा कि जिस दिन वह स्कूल में बेहोश हुई थी, तब किसी ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, लेकिन उसे दुष्कर्म करने वाले की जानकारी नहीं है।

सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि हनुमान सहाय अपनी गाड़ी में पशु लाता है और उसके पिता उससे भैंस खरीदते हैं। ऐसे में वह उसे जानती है। हनुमान ने उसके साथ खेत में कई बार गलत काम किया। जब उसने विरोध किया तो हनुमान ने उसे व उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसके पेट में दर्द हुआ तो उसे गर्भवती होने का पता चला।

वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा से दंडित किया है।

भाजपा मीडिया विभाग ने पौधारोपण कर मनाया जन्मदिवस

जयपुर। भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के जन्मदिवस के अवसर पर सामाजिक सरोकार से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे मानसरोवर शिप्रा पथ स्थित पारसश्रेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक से किया गया। इसके बाद रुद्राभिषेक कर मदन राठौड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, प्रदेश मीडिया पदाधिकारी आकाश शर्मा, कपिल गुरदासवानी, शिव चौधरी, प्रीत मिश्रा, आदित्य शर्मा सहित मानसरोवर के मंडल अध्यक्ष और पार्षदगण के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र में सघन पौधारोपण किया। जनसेवा की भावना के तहत मानसरोवर क्षेत्र की कच्ची बस्तियों तथा जयपुरिया अस्पताल में लोगों को फल वितरित किए गए।

बारिश से खराब सड़कों की तुरंत मरम्मत हो : दिया कुमारी

■ उपमुख्यमंत्री ने सचिवालय में जोधपुर जोन प्रथम एवं बांसवाड़ा जोन की सड़क एवं अन्य परियोजनाओं की प्रगति को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक ली

■ बैठक में जोधपुर, पाली, सिरोही, फलोदी, जालौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बरसात के मौसम में सड़कों की स्थिति को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर बारिश के कारण सड़कें खराब होती हैं तो उन्हें तत्काल ठीक करवाया जाए ताकि यातायात प्रभावित न हो और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े।

बुधवार को सचिवालय में जोधपुर जोन प्रथम एवं बांसवाड़ा जोन की सड़क एवं अन्य परियोजनाओं की प्रगति को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में रहकर कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पीडब्ल्यूडी के कार्यों की प्रगति के लिए जोनवार साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

बैठक में जोधपुर, पाली, सिरोही, फलोदी, जालौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की गई।

उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में राह सुगम बनाने के लिए बन रहे ‘अटल पथ’ के साथ नाली निर्माण को अनिवार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही, बरसाती मौसम को देखते हुए सड़कों की बर्म रिपेयर और सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई पर भी जोर दिया।

उन्होंने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने एवं 2025-26 की नई घोषणाओं की निविदा प्रक्रिया जल्द पूरी कर काम शुरू करवाने के निर्देश दिए।

वन भूमि विवाद या अन्य कारणों से लंबित परियोजनाओं की अलग-अलग समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर कार्य शीघ्र पूरे कराए जाएं।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अधिकारी आगामी पांच सप्ताह में यह रिपोर्ट प्रस्तुत करें कि उन्होंने कितनी फील्ड विज़िट की, क्या खामियां पाई गईं और उनमें कितना सुधार कराया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जारी निर्देशों के अनुसार सभी कार्य समय पर पूरे हों।

बैठक में एनएचएआई, एनएच, आरएसआरडीसी, राजस्थान स्टेट हाईवे अथॉरिटी, पेचेबल, नॉन पेचेबल और मिसिंग लिंक सहित सभी श्रेणियों की सड़कों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में एसीएस पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, मुख्य अभियंता टीसी गुप्ता सहित संबंधित जिले व मुख्यालय के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से मौजूद रहे।

युवक की गोली मारकर हत्या, पांच अभियुक्तों को उम्रकैद

■ अभियुक्त कुलवेन्द्र सिंह और अपराध में शामिल अभियुक्त सुनील शर्मा, पचवीर, जितेन्द्र माहेश्वरी उर्फ जीतू टाइगर और प्रीतम लालवानी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

जयपर । अतिरिक्त सत्र न्यायालय, क्रम-11, महानगर प्रथम, मुख्यालय सांगानेर ने आपसी कहासुनी में युवक की गोली मारकर हत्या करने वाले अभियुक्त कुलवेन्द्र सिंह और अपराध में शामिल अभियुक्त सुनील शर्मा, पचवीर, जितेन्द्र माहेश्वरी उर्फ जीतू टाइगर और प्रीतम लालवानी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्तों पर कुल 5.25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी पुरवा चतुर्वेदी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त कुलवेन्द्र ने अन्य अभियुक्तों के साथ मिलकर गोल्डी व उसके साथियों के साथ बहसबाजी और मारपीट की। वहीं इस दौरान देसी कट्टे से गोली मारकर गोल्डी की हत्या कर दी। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

पीडित पक्ष के अधिवक्ता विपुल शर्मा ने अदालत को बताया कि जीतू टाइगर के साथी राजेश का पैसे के लेनदेन को लेकर सुनील चौधरी से विवाद चल रहा था। जिसके चलते राजेश ने उसके साथियों को अपने फार्म हाउस बुलाया और मारपीट की। वहां से आने पर साथियों ने अपने साथी जीतू टाइगर को घटना की जानकारी दी। इस दौरान गोल्डी ने जीतू को थप्पड़ मार दिया और साथी को पिटवाने का आरोप लगाया। जहां जीतू के साथ आए कुलवेन्द्र का दीपक व अंकुर से विवाद हो गया और कुलवेन्द्र ने अंकुर पर देसी कट्टा तान दिया। इस पर गोल्डी ने बीच बचाव किया तो कुलवेन्द्र ने गोल्डी की गोली मारकर हत्या कर दी और अपने साथियों के साथ वहां से फरार हो गया। घटना को लेकर नारायण स्वामी ने सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

पखवाड़े के अन्तर्गत शिविरों का मुख्यमंत्री करेंगे अवलोकन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज में अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राहत देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी लक्ष्य पर आगे बढ़ते हुए प्रदेशभर में 24 जून से दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से आमजन के विभिन्न प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं भी विभिन्न जिलों का दौरा कर प्रदेशभर में इस पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित हो रहे शिविरों का अवलोकन कर रहे हैं।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री 3 जुलाई को सवाईमाधोपुर में बालेर (खण्डार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित शिविर का अवलोकन करेंगे। शर्मा 4 जुलाई को खैरथल-तिजारा तथा बानसूर (कोटपुतली-बहरोड़) एवं 5 जुलाई को शेरगढ़ (जोधपुर) में शिविर का अवलोकन करेंगे।

कोविड-19 में अनाथ हुए युवक को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

■ याचिकाकर्ता की मां की मौत कोविड-19 के दौरान हुई थी। वहीं उसके पिता की मृत्यु साल 2019 में पहले ही हो चुकी थी

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कोविड-2019 महामारी के चलते अनाथ हुए युवक को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर संयुक्त कार्मिक सचिव, विशेष राजस्व सचिव और दौसा कलेक्टर से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश प्रतीक चौहान की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि कोविड के चलते अनाथ होने पर अनुकंपा नियुक्ति देने का प्रावधान होने के बावजूद प्रार्थी युवक को इसका लाभ क्यों नहीं दिया गया है।

याचिका में अधिवक्ता विवेक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की मां की मौत कोविड-19 के दौरान हुई थी। वहीं उसके पिता की मृत्यु साल 2019 में पहले ही हो चुकी थी। याचिकाकर्ता अपने माता-पिता की इकलौती संतान था और उसके परिवार में कोई सरकारी सेवा में भी नहीं है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की थी। जिसमें कहा गया था कि कोविड-19 के दौरान जो लोग अनाथ हुए हैं, उन्हें अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी।

इस अधिसूचना के आधार पर याचिकाकर्ता ने दौसा जिला कलेक्टर के समक्ष अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए आवेदन किया। जिला कलेक्टर ने उसके अनुकंपा आवेदन का अभी तक निस्तारण नहीं किया है और ना ही उसे अनुकंपा नियुक्ति ही दी है। इसलिए राज्य सरकार से उसकी अधिसूचना की पालना करवाई जाए और याचिकाकर्ता को अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

"गरीबी मुक्त राजस्थान" की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बड़ी पहल

■ राज्य सरकार ने शुरू की 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत पहले चरण में 5 हजार गांवों का चयन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेश के बीपीएल ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए शुरू की ग ‘पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना‘ के तहत पहले चरण में 5 हजार गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों के चयनित बीपीएल परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को नया आयाम देने की की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

गरीबी रेखा से ऊपर आए परिवारों को मिलेगी 21 हजार रुपये प्रोत्साहन राशिः-योजना के तहत ऐसे परिवार जो अपने प्रयासों से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं, उन्हें सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े में ऐसे परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा है। ऐसे 22400 परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि हस्तान्तरित की जाएगी। अब तक 17 हजार 891 परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप 'आत्मनिर्भर परिवार कार्ड‘ भी प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत चयनित गांवों में आत्मनिर्भर परिवारों के अतिरिक्त जिन परिवारों को गरीबी से उबरने में सहायता की आवश्यकता है, उन्हें आय सृजन, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन के लिए राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अब तक 61 हजार 442 परिवारों के आवेदन प्राप्त किये जा चुके हैं।

पहले चरण में 30,631 बीपीएल परिवार चिन्हितः-योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631 बीपीएल परिवारों को चिन्हित किया गया है। चिन्हित समस्त परिवारों का भौतिक सर्वे पूर्ण कर लिया गया है तथा इनका बीपीएल जनगणना 2002 के आंकड़ों का मिलान कर वेब पोर्टल पर सर्वे इन्द्राज कर दिया गया है।

सर्वे के आधार पर प्रत्येक गांव के लिए 'गरीबी मुक्त गांव कार्य-योजना‘ बना जा रही है। इस योजना में सरकार की अन्य योजनाओं का भी समन्वय किया जा रहा है ताकि गांवों का समग्र विकास हो सके। इस योजना का मूल उद्देश्य बीपीएल जनगणना 2002 के अनुसार चिन्हित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जाएगी।

बीपीएल परिवारों को एक लाख तक सहायताः-योजना के तहत बीपीएल परिवारों को स्वरोजगार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। इसी तरह स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रति परिवार 15 हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी दी जाएगी।

इस योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में विशेष वित्तीय पुरस्कार भी दिए जाएंगे। त्रैमासिक रैंकिंग के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को क्रमशः 50 लाख, 35 लाख और 25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

दूसरे चरण में भी 5002 गांवों को चयनित किया गया है, जहां बीपीएल परिवारों का सर्वेक्षण जारी है। इन गांवों में भी योजना के तहत योग्य परिवारों को चिं ित कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। अब तक 22 हजार 872 परिवारों का सर्वे किया जा चुका है।

'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना‘ राज्य सरकार की एक क्रांतिकारी पहल है जिसका लक्ष्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। यह योजना न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगी, बल्कि सामाजिक समावेशन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

‘कांग्रेस ने स्कूलों पर केवल बोर्ड लगाया, हमने उन्हें बेहतर बनाया’

जयपुर। शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए आज प्रदेश के 970 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में एक साथ विज्ञान संकाय खोलने के आदेश जारी कर दिए है। ऐसा पहली बार हुआ है जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में स्कूलों में विज्ञान संकाय खोली गई है।

प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए यह शिक्षा मंत्री की बड़ी सौगात के रूप में देखी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार प्रदेश के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है। पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में झूठी वाहवाही लूटने के लिए हिंदी माध्यम के सरकारी विद्यालयों पर महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के बोर्ड टांग दिए। किंतु ढांचागत व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं कराई जिसके कारण छात्रों के भविष्य पर प्रश्न लगा और विद्यालयों का नामांकन गिरा। भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही इन विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए उनकी समीक्षा प्रारंभ की। जिस पर विपक्ष ने प्रदेश की जनता को गुमराह करने के लिए सरकार पर महात्मा गांधी विद्यालयों को बंद करने के आरोप लगाए।

‘प्रदेश में मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंधन करें’

-कार्यालय संवाददाता-

■ नए चिकित्सा संस्थानों के लिए जमीन आवंटन की कार्यवाही को प्राथमिकता देने के निर्देश

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक ली।

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में मानसून का दौर प्रारंभ हो चुका है। इसे देखते हुए सभी जिलों में मौसमी बीमारियों पर रोकथाम, जांच एवं उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन जिलों में बारिश अधिक हो रही है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि मौसमी बीमारियों के केस नियंत्रण में रहें।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत प्रदेशभर में स्वीकृत नए चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, ट्रोमा सेंटर एवं एमसीएच सेंटर के नए भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रितेश्वर, ओएसडी एनएचएम डॉ. संतोष गोयल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समस्त संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी सहित संबंधित अधिकारीगण वीसी के माध्यम से जुड़े।

कुख्यात गैंगस्टर सलमान व हथियार सप्लायर राकेश गिरफ्तार

14 अवैध विदेशी और देशी हथियार, 1860 कारतूस और 10 मैगजीन का जखीरा बरामद किया

प्रतापगढ़/जयपुर। राजस्थान में संगठित अपराध और अवैध हथियारों की कमर तोड़ने के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने प्रतापगढ़ पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 अवैध विदेशी और देशी हथियार, 1860 कारतूस और 10 मैगजीन का एक विशाल जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो प्रमुख अपराधियों कुख्यात गैंगस्टर सलमान खान और उसके हथियार सप्लायर राकेश कुमार को गिरफ्तार किया है, जिससे राज्य में अवैध हथियारों के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि 28 जून को छोटी सादड़ी थाना पुलिस ने झालावाड़ निवासी राकेश कुमार पुत्र कचरू राम (48) को छोटी सादड़ी-नीमच रोड से एक पिस्टल सहित गिरफ्तार किया था। आरोपित राकेश अवैध हथियार सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण मोहरा था और उसकी गिरफ्तारी इस ऑपरेशन की पहली कड़ी साबित हुई। इस हथियार सप्लायर से एजीटीएफ टीम लगातार पूछताछ कर रही थी।

राकेश से हुई पूछताछ ने पुलिस को अपराध की दुनिया के एक और बड़े नाम सलमान पुत्र शेरखान (38), निवासी नागदा, उज्जैन तक पहुंचाया। सलमान जो पहले से ही बांसवाड़ा जेल में फिरौती के एक मामले में बंद था को एजीटीएफ ने प्रोडक्शन वारंट पर लिया। उससे की गई कड़ी पूछताछ ने कई चौंकाने वाले राज खोले। सलमान ने बताया कि उसके पिता शेरखान पठान भी पुलिसकर्मी थे, लेकिन हत्या सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे और अंततः पुलिस मुठभेड़ में मारे गए थे। पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए सलमान ने कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया था। स्कूल छोड़ने के बाद वह लड़ाई-झगड़े में शामिल हो गया और अपनी 90 बीघा पैतृक जमीन होने के बावजूद प्रॉपर्टी डीलिंग के नाम पर विवादित जमीनों पर कब्जा करने लगा, जहाँ उसके "खौफ" का राज चलता था।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने प्रतापगढ़ पुलिस के साथ मिलकर दो जनों को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने बताया कि गैंगस्टर सलमान खान अपने पिता की आपराधिक विरासत थामे था

दुबई का सफर और हथियारों का राज : -अपने खिलाफ लगातार बढ़ते मुकदमों से बचने के लिए सलमान ने निवास बदलकर फर्जी पासपोर्ट बनवाया और दुबई भाग गया था। पुलिस को सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह मिली कि दुबई जाने से पहले उसने अपने सभी अवैध हथियार दोस्त मोहम्मद नवाज निवासी रतलाम के पास 30 लाख रुपये की सिक्योरिटी के तौर पर गिरवी रख दिए थे। उसका इरादा था कि जेल से छूटने के बाद वह इन्हें वापस ले लेगा। सलमान की निशानदेही पर पुलिस ने छोटी सादड़ी इलाके से भारी मात्रा में अवैध विदेशी और देशी हथियार व कारतूस बरामद किए हैं। इनमें 12 बोर पंप एक्शन गन एक, 22 बोर राइफल एक, 22 बोर रिवाल्वर तीन, 32 बोर ऑटोमेटिक माउजर एक, 32 बोर पिस्तौल आठ, खाली मैगजीन दस , मैगजीन फिलर दो सहित विभिन्न बोर के कारतूस 32 बोर (324), 32 ब्लैंक (112), 7.62 एमएम (166), 7.65 एमएम (909), 9 एमएम (88), 30-06 एमएम (20), 12 बोर पंप एक्शन गन के कारतूस (125), 12 बोर गन के कारतूस (20), .22 के कारतूस (96) शामिल हैं। इसके आरोपित सलमान पर पहले से ही मारपीट, धमकी, आर्म्स एक्ट, चोरी, हत्या के प्रयास, रंगदारी और एनडीपीएस एक्ट सहित दर्जनों गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

इस सफल अभियान को अंजाम देने वाली एजीटीएफ राजस्थान जयपुर टीम में पुलिस निरीक्षक सुभाष सिंह, एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार, कमल सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम और सुरेश कुमार (चालक), वहीं पुलिस थाना छोटी सादड़ी की टीम में थानाधिकारी प्रवीण टांक, एसआई निर्भय सिंह, एएसआई शिवराम गुर्जर, अर्जुन सिंह, भंवर सिंह, हैड कांस्टेबल सुरेश, महेश, रघुवीर सिंह, कांस्टेबल रामराज और तेजपाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्रवाई राजस्थान में अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ पुलिस की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है और आपराधिक नेटवर्क पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों को भी कानून के दायरे में लाया जा सके।

गौवंश का सिर और पैर मिलने से गौरक्षकों में आक्रोश

- आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर गौरक्षकों ने धरना दिया
- गौसेवकों का आरोप है कि किसी ने गौवंश का सिर काटकर फेंका है

पावटा, (निसं)। पावटा उपखंड क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय भवन के पीछे एक गोवंश का सिर और इसके साथ ही वहां क्षत-विक्षत शरीर के टुकड़े व पैर भी मिले हैं। किसी राहगीर ने देखा तो आसपास के लोगों व गौसेवकों को जानकारी दी। खबर आग की तरह फैली तो मौके पर बड़ी संख्या में गौ रक्षक व ग्रामीण जमा हो गए, गौ रक्षकों में आक्रोश व्याप्त हो गया।

उन्होंने इस घोर निंदनीय कृत्य का विरोध जताते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि किसी ने बछड़े के सिर को काटकर फेंका है। बड़ी संख्या में गोरक्षकों ने मृत गौवंश का पोस्टमार्टम करने व आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। गौरक्षकों व ग्रामीणों ने रात को नारेबाजी करके नाराजगी जताई। गौ रक्षकों व ग्रामीणों ने कहा कि असामाजिक तत्वों ने गौवंश की हत्या कर अवशेषों को यहां पटका है। इस घटना से उनकी भावनाएं आहत हुई है। वहीं घटनास्थल पर पावटा तहसीलदार संजय खेदड व प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह भी मौके पर पहुंचे और गौ रक्षकों व ग्रामीणों से समझाइश करते हुए मौके पर पशु चिकित्सकों को बुलाया। इस दौरान विराटनगर के पूर्व विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर भी धरनास्थल पहुंचे और गोरक्षकों का समर्थन करते हुए प्रशासन को चेताया कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं देर रात्रि घटना को लेकर गौ रक्षक व ग्रामीण घंटाघर पर आकर धरने पर बैठ गए। जिस पर पावटा तहसीलदार संजीव खेदड एवं प्रागपुरा थाना अधिकारी किरण यादव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण यादव, पावटा तहसीलदार संजीव खेदड़ और पशु चिकित्सक की टीम मौके पर पहुंची। पशु चिकित्सक ने अवशेषों की जांच कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए कोटपूतली पशु चिकित्सालय भिजवाया। तहसीलदार व्र थाना अधिकारी ने धरनार्थियों से समझाइश करते हुए कोटपूतली पशु चिकित्सक टीम द्वारा मृत गौवंश का पोस्टमार्टम कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कर मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र मामले का खुलासा करने का आश्वासन देकर धरने को समाप्त करवाया। वहीं सुबह 9 बजे के करीब बड़ी संख्या में गौरक्षक गौवंश के पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय पावटा में एकत्रित हो गए। जहां जिला डिप्टी सीएमओ सीएमओ डॉ. हरीश कुमार के नेतृत्व में पशु चिकित्सकों द्वारा मृत गौ वंश का पोस्टमार्टम किया गया। उसके बाद गौ रक्षकों द्वारा पूरे सम्मान के साथ गौ वंश को दफनाया गया। वही गौ रक्षकों ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस दौरान ओपी बायला, नीरज सैन, सुशील योगी, मनोज, आनंद योगी, कान्हा, सचिन, नितेश, अमित, विकास, कृष्ण, राहुल, कमल, मंजीत, रूपसिंह, प्रहलाद सैन, लोकेश कुमावत, अमित वर्मा, पवन शर्मा, ख्यालीराम, ओमप्रकाश मीणा, मनोज सैनी, सांवर लाल सैनी, अंकित सैन, बंशी शर्मा, सूरज सिंह, विकास वर्मा, अनिल, मोहित, सन्नी सहित बड़ी संख्या में पावटा, प्रागपुरा, विराटनगर, कोटपुतली, शाहपुरा, थानागाजी गौ रक्षक टीम मौजूद रही।

सांसद बेनीवाल के घर का बिजली कनेक्शन काटा

- सांसद के निवास पर भाई प्रेमसुख बेनीवाल के नाम से बिजली कनेक्शन लिया हुआ था
- जिसके बिल के करीब 11 लाख रुपए बकाया हो गए थे, नोटिस भी दिया गया था

नागौर, (निसं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल के नागौर आवास का बिजली कनेक्शन बुधवार शाम को डिस्कॉम ने काट दिया।

डिस्कॉम के नागौर एक्सईएन सुल्तानसिंह ने बताया कि सांसद के निवास पर उनके भाई प्रेमसुख बेनीवाल के नाम से बिजली कनेक्शन लिया हुआ था, जिसके बिल के करीब 11 लाख रुपए बकाया हो गए थे, जिसको लेकर कनेक्शनधारी को नोटिस भी दिया गया था, लेकिन उन्होंने बिल जमा नहीं कराया, जिसके कारण बुधवार को उनका कनेक्शन काट दिया। कुछ माह पूर्व भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने सांसद व उनके भाई नारायण बेनीवाल के घर का बिजली कनेक्शन बकाया होने का मुद्दा उठाया था। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नारायण बेनीवाल के घर का बकाया बिल जमा हो गया, लेकिन सांसद के घर का बिल जमा नहीं हो पाया, इसके चलते कार्रवाई की गई है।

लाखूसर में सोलर प्लांट पर एक ही रात में खेजड़ी के 565 पेड़ काटे

एक ही प्लांट पर जून माह से अब तक 807 खेजड़ी के पेड़ों की बलि दी जा चुकी है

- जिले का कोई बड़ा अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, कटे हुए पेड़ ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर दिए

बीकानेर, (निसं)। लाखूसर में सोलर प्लांट पर एक ही रात में खेजड़ी के 565 पेड़ काट डाले। एक ही प्लांट पर जून माह में अब तक कुल 807 खेजड़ी के पेड़ों की बलि दी जा चुकी है। वन माफिया के आगे ग्रामीण बेबस हैं। जिले का कोई बड़ा अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। कटे हुए पेड़ ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर दिए गए हैं।

लाखूसर में सन ब्रिज कंपनी के 1400 मेगावाट के सोलर प्लांट के स्टालेशन का काम चल रहा है। सोमवार की रात ग्रामीण सोए हुए थे। उसी दौरान प्लांट पर पूरी रात खेजड़ी के पेड़ों पर आरा मशीनें चलती रहीं। दरअसल आम तौर पर ग्रामीण खेजड़ी की निगरानी रखते हैं, लेकिन गांव में जमीन विवाद को लेकर पुलिस ने पांच ग्रामीणों को गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार को यह ग्रामीण शाम तक जमानत करवाने में व्यस्त रहे। थके, हारे रात को गांव पहुंचकर सो गए। अल सुबह बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ कटने की सूचना मिली तो गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल पर जमा हो गए। खेजड़ी कटी देख उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। ग्रामीणों ने सोलर कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर हल्का पटवारी सुमन स्वामी, ग्राम विकास अधिकारी अशोक खीचड़ और गिरदावर प्रीति शर्मा मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में छत्तरगढ़ थाने से एसआई सुरेंद्र बारूपाल भी पहुंच गए। पटवारी की रिपोर्ट में खसरा नंबर 650, 754 पर खेजड़ी के कटे हुए कुल 565 पेड़ दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में लिखा है कि दोनों खसरों की लीज सन ब्रिज कंपनी के नाम दर्ज है।

प्रदर्शनकारियों में जेठाराम जाखड़, रामगोपाल बिश्नोई, मोखराम धारणिया, हंसराज कस्वा, प्रभुराहू, मोहननाथ, चंद्रसिंह भाटी, मुमताज, रामलाल, सुंदरलाल मेघवाल आदि शामिल थे। इस मामले में जब हमने कलेक्टर से बात करनी चाही तो उनका फोन नो रिप्लाई हो गया। सोलर कंपनी का दबदबा इतना है कि दो घंटे तक सरकारी अफसर कटे हुए खेजड़ी के 565 पेड़ों की सुपुर्दगी लेने को तैयार नहीं हुए। पटवारी और गिरदावर लगातार अधिकारियों से संपर्क करते रहे। वन विभाग ने सुपुर्दगी लेने से साफ मना कर दिया।

रेंजर महावीर ने बताया कि कटी हुई खेजड़ी का स्थल वन विभाग की भूमि नहीं है। ना ही विभाग का पौधारोपण किया हुआ है। इस मामले में राजस्व विभाग ही कार्रवाई करेगा, जिसका वन विभाग सहयोग कर सकेगा। खेजड़ी की अवैध कटाई को लेकर जब हमने डीएफओ सारथ बाबू से बात की तो उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके पास कोई जानकारी नहीं है।

अखिल भारतीय किसान सभा के जेठाराम लाखूसर ने आरोप लगाया है कि जिंदल, सनब्रिज और वारी को राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है। स्थानीय राजनेता और मंत्री के गुर्गों को ठेके दे रखे हैं। वे रात में बेखौफ आकर पेड़ काटते हैं। विरोध करने वाले ग्रामीणों को फायरिंग कर डराया जाता है। उन्हें चोरी के झूठे केस में फंसाया जाता है। पुलिस और जिला प्रशासन में उनके खिलाफ कोई सुनवाई नहीं होती। राम गोपाल बिश्नोई ने बताया कि छत्तरगढ़ पुलिस के एसआई को परिवाद देकर जिंदल सोलर कंपनी के खिलाफ जैव विविधता अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस मामले में कठोर कार्रवाई नहीं की, तो कटी हुई खेजडियों को ट्रकों में भरकर जिला मुख्यालय ले जाएंगे और उग्र आंदोलन करेंगे।

बदमाशों ने चार दुपहिया वाहनों को आग लगाई

- माना जा रहा है कि घटना को रंजिशवश अंजाम दिया गया है

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उपनगर सांगानेर में शाहपुरा रोड पर बीती रात बाइक से आये बदमाशों ने एक मकान के बाहर खड़े चार दुपहिया वाहनों को पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। माना जा रहा है कि घटना को रंजिशवश अंजाम दिया गया।

जानकारी के अनुसार सांगानेर में शाहपुरा रोड निवासी कालू कीर के मकान के बाहर खड़ी चार बाइकों पर एक बाइक से आए तीन लोगों ने पेट्रोल भरी बोतल छिड़क कर आग लगा दी। इसके बाद तीनों युवक बाइक पर बैठकर फरार हो गए। आग से चार दुपहिया वाहन जल गये। इनमें दो दुपहिया वाहन उसके, एक वाहन भाई गोपाल कीर का, जबकि एक पड़ौसी समसुद्दीन का बताया गया है। आग की भनक लगते ही कीर परिवार के साथ ही आस-पास के लोग वहां पहुंचे और अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना रात 12 बजे हुई। यह वारदात उसके घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। सुभाष नगर थाना पुलिस का कहना है कि वारदात को अंजाम देने में कालू कीर की पत्नी के पूर्व पति का हाथ था। सांगानेर निवासी कालू कीर कुछ दिन पहले कोदुकोटा से एक महिला को नाते में लेकर आया था। इससे महिला का पति रमेश नजर हो गया। वो अपने दो दोस्तों के साथ सांगानेर पहुंचा और इस घटना को रंजिशवश अंजाम दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने रमेश और उसके एक दोस्त पवन खटीक को गिरफ्तार कर लिया है।

अंग्रेजी विषय की मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक-विद्यालय (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत अंग्रेजी विषय के पदों हेतु पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन के बाद सफल रहे अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी कर दी गई है। आयोग सचिव ने बताया कि इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मंदिर से 25 किलो चांदी व 5 तोला सोने के जेवर चोरी

- मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरा और उसकी डीवीआर उखाड़कर ले गए चोर
- वल्लभनगर कस्बे में स्थित शीतला माता मंदिर में चोरी की वारदात हुई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के वल्लभनगर कस्बे में स्थित शीतला माता मंदिर से मंगलवार रात चोर करीब 25 किलो चांदी के जेवर और करीब 5 तोला सोना चोरी कर भाग गए। चोर इतने शातिर थे कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरा और उसकी डीवीआर उखाडकर ले गए। इसी परिसर में हनुमान मंदिर और शिव मंदिर से भी चोर लाखों रुपए के सोना-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए।

सुबह चार बजे पुजारी सेवा पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचे, तब ताला टूटा देखा। अंदर सामान अस्त-व्यस्त था और सोना-चांदी के आभूषण गायब थे। सूचना पर वल्लभनगर थानाधिकारी दिनेश पाटीदार जाब्ते के साथ पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मंदिर में 11-11 किलो के दो चांदी के छत्र लगे थे, जो चोरी हो गए। इसके अलावा चांदी की माला, मुकुट, गदा, अन्य पूजा सामग्री लगभग 5 तोला सोना आदि गहने थे। पुलिस मंदिर के बाहर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए चोरों की पहचान करने में जुटी है। घटना के कारण सुबह रोज होने वाली पूजा मंदिर में नहीं हुई। मौके पर एफएसएल की टीम साक्ष्य जुटाने में लगी है। वहीं डीएसपी राजेन्द्र सिंह जैन मौके पर मौजूद रहे। जांच के चलते फिलहाल दर्शन बंद कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार यह मंदिर मेवाड़ के प्रमुख ऐतिहासिक और आस्था से जुडे स्थलों में से एक है और यहां इस प्रकार की चोरी पहली बार हुई है। घटना से श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शीघ्र ही आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है।

हादसों में दो युवकों की मौत, तीन घायल

उदयपुर, (निसं)। जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई तथा तीन व्यक्ति घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जुलाई सवेरे बैकरिया थाना क्षेत्र लोहारचा राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुए सड़क हादसे में बाइक चालक राजुराम (25) पुत्र थावरा राम मीणा निवासी पाटलों का चोरा की मौत हो गई तथा साथी पीपला निवासी साकलाराम पुत्र काला गंभीर घायल हो गया। राजुराम अपने साथी साकलाराम को लेकर बाइक पर पिंडवाड़ा से पीपला बैकरिया साले के यहां पर जा रहा था, जहां बीच रास्ते में पिछे से आ रहे जीप वाहन ने टक्कर मार दी थी। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों को घायल अवस्था में उदयपुर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां राजूराम की मौत हो गई। इसी तरह एक जुलाई सांय बैकरिया थाना क्षेत्र देवला से उपलावास रोड़ के बीच गलत दिशा से आ रही जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक लक्ष्मणराम पुत्र हीराराम निवासी उपलावास बैकरिया व साथी गंभीर घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां लक्ष्मणराम की मौत हो गई। लक्ष्मण देवला में दुकान लगाकर बाइक रिपेयरिंग का काम करता था एवं रात में वह अपने साथी को लेकर दुकान से घर लौट रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया।

राख से भरे बल्गर वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा थर्मल प्लांट से राख ट्रांसपोर्ट करने वाले बल्गर सहित अन्य भारी वाहनों के अनियंत्रित आवागमन से कई लोग दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। सालपुरा मार्ग पर बुधवार सुबह अपने रिश्तेदार की गमी से लौट रहे बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को राख से भरे बल्गर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बल्गर सड़क से नीचे उतर पलट गया व बाइक भी चकनाचूर हो गई और दोनों युवक भी बल्गर की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद राहगीरों व ग्रामीणों ने युवकों को निकालने का काफी प्रयास किया। घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस प्रशासन ने क्रेन की सहायता से शवों को बाहर निकाला। दर्दनाक घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर मृतकों के परिजनों को मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी व सुबह सात से शाम सात तक राख के भारी वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लगभग छह घंटे तक प्रदर्शन जारी रहा। बाद में एसडीएम कार्यालय पर प्रशासन व परिजनों के बीच वार्ता में सहमति बनी, जिसके बाद यातायात सुचारू हुआ तथा शवों का छबड़ा चिकित्सालय में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों से समझाइश की।

जानकारी अनुसार भीलवाड़ानीचा निवासी सूरज मीणा (38) पुत्र मूलचन्द व मुकेश मीणा (36) पुत्र लक्ष्मीनारायण बाइक से लक्ष्मीपुरा (अटरू) से फूल चुनने के कार्यक्रम में भाग लेकर छबड़ा लौट रहे थे। इसी बीच स्टेट हाइवे-51 पर खोपर के निकट छबड़ा से जा रहे राख से भरे बल्गर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बल्गर सड़क के नीचे उतरकर पलट गया। दोनों युवक भी बल्गर की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों व राहगीरों ने बल्गर के नीचे दबे दोनों युवकों को बाहर निकालने का काफी प्रयास किया, किंतु उनके प्रयास विफल रहे। जिसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासन ने क्रेन की सहायता से शवों को बाहर निकलवाया। जिसके बाद आक्रोशित मृतकों के परिजन व ग्रामीणों की यहां काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई।

इन्होंने शवों को सड़क पर रखकर नारेबाजी के साथ प्रदर्शन शुरू कर दिया। यहां मौजूद डीएसपी विकास कुमार, तहसीलदार यादवेंद्र यादव व सीआई राजेश खटाणा व नायाब तहसीलदार माधोलाल ने परिजनों व ग्रामीणों से समझाइश की, लेकिन वे जिला कलैक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद एसडीएम रामसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचकर एक प्रतिनिधिमण्ड़ल को वार्ता के लिए उपखण्ड़ कार्यालय में लेकर आए। वार्ता में प्रशासन व प्रतिनिधिमण्डल के बीच सहमति बन गई। जिसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शवो को यहां की मोर्चरी में लाया गया, यहां पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- टक्कर इतनी जोरदार थी कि बल्गर सड़क से नीचे उतर पलट गया व बाइक दब गई

इस मामले में एसडीएम रामसिंह गुर्जर ने बताया कि मृतकों के परिजनों ने 50-50 लाख रूपए की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व सुबह सात से शाम सात तक राख के भारी वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की थी। उन्होंने इन मांगों को राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया हैं। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ही मृतको के परिजनों को मुआवजा मिल सकेगा। थर्मल अधिकारियों से बात कर आर्थिक मदद किए जाने का भी प्रयास किया जा रहा हैं।

जिला कलैक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जन सुरक्षा के मद्देनजर पालिका क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन पर रात्रि 8 बजे से सुबह 7 बजे तक ही भारी वाहनों को संचालित किए जाने के आदेश दिए हैं व अन्य समय इनके परिवहन पर पूर्णतयाः रोक रहेगी।

देवमगरी में बरसात से एक दर्जन विद्युत पोल व दो ट्रांसफार्मर गिरे

देवमगरी में मानसून की पहली बारिश में दो ट्रांसफार्मर एवं एक दर्जन विद्युत पोल खेतों में गिर गए।

- ग्रामीणों का कहना है कि पोल गिरते समय विद्युत सप्लाई सुचारू नहीं होने की वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम देवमगरी में मानसून की पहली बारिश में दो ट्रांसफार्मर एवं एक दर्जन विद्युत पोल खेतों में गिर गए।

ग्रामीण सांवरलाल ने बताया कि विभाग द्वारा लगाए गए ठेकेदार सांवरलाल ने हाल ही में विद्युत लाइन का कार्य सुचारू है जिसके चलते विद्युत पोल को शिफ्टिंग किया गया। इस दौरान मध्य रात्रि तेज बारिश व हवाओं के चलते लगभग एक दर्जन से भी ज्यादा विद्युत पोल एवं दो ट्रांसफार्मर तेज बारिश की वजह से धराशाई हो गया।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि पोल गिरते समय विद्युत बिजली सुचारू नहीं होने की वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। वही ठेकेदार के द्वारा की गई लापरवाही से ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है। पोल व ट्रांसफार्मर गिरने की जांच के बाद ही पता चलेगा किस वजह से यह गिरे है। इस विषय में विधुत विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की तो उन्होंने कहा कि तेज बरसात व हवाओं के कारण विद्युत पोल व दो ट्रांसफार्मर धराशाई हो गए।

कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ये सुनिश्चित करना चाहिए था कि बुमराह दूसरे टेस्ट में खेलें, दुनिया का सबसे अच्छा तेज गेंदबाज है और आप उसे सात दिन के आराम के बाद बाहर बैठा देते हैं, इस पर विश्वास करना बहुत कठिन है। - रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय कोच, जसप्रीत बुमराह के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

मनोलो मार्केज

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के साथ आपसी सहमति से पद से इस्तीफा दे दिया है। 13 महीने के अंदर दूसरे कोच ने भारतीय फुटबॉल टीम से नाता तोड़ लिया है। इससे पहले स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने पिछले साल कोच पद से बर्खास्त किया था।55 वर्षीय मार्केज को पिछले साल अगस्त में राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। एआईएफएफ ने उन्हें तीन साल के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच बनाया था। हालांकि, अचानक से उन्होंने एआईएफएफ से आपसी सहमति के बाद इस्तीफा दे दिया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने पेरिस ओलिंपिक में 6 मेडल जीते थे, अब तक 2 एशियाड, एक कॉमनवेल्थ गेम्स करा चुका है।

टेस्ट के पहले दिन भारत का स्कोर 310/5

कप्तान गिल का लगातार दूसरा शतक, जडेजा के साथ नाबाद लौटे

एजबेस्टन, 2 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन में खेला जा रहा है। भारतीय टीम इस मैच में इंग्लैंड से पिछले मैच की हार का बदला लेने के उद्देश्य से उतरी है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी है। पहले दिन भारत ने पांच विकेट खोकर 310 रन बना लिए हैं। शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के शुरुआती दिन पांच विकेट खोकर 310 रन बना लिए हैं। बुधवार का खेल समाप्त होने तक शुभमन गिल 114 और रवींद्र जडेजा 41 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। दोनों के बीच 99 रनों की साझेदारी हो चुकी है। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन पर खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। भारत की पहली पारी झटके के साथ शुरू हुई। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए।

उन्हें क्रिस वोक्स ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल को करुण नायर का साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी हुई। ब्रायडन कार्स ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने करुण नायर को अपना शिकार बनाया। वह 50 गेंदों में पांच चौके की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद मोर्चा यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने संभाला। दोनों के बीच 66 रनों की साझेदारी हुई। सलामी बल्लेबाज जायसवाल 87 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें बेन स्टोक्स ने अपना शिकार बनाया। जायसवाल के बाद गिल को पंत का साथ मिला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए कुछ अच्छे शॉट्स खेले और 47 रन जोड़े, लेकिन शोएब बशीर ने उपकप्तान को अपना शिकार बनाया। वह 42 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए।

2036 ओलिंपिक के लिए भारत ने अहमदाबाद का नाम दिया

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत ने 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी आईओसी के सामने पेश किया है। मंगलवार को स्विट्जरलैंड के लॉजान में हुई बैठक में केंद्रीय खेल मंत्रालय, गुजरात सरकार और आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा सहित भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आईओसी के सामने अपनी बात रखी।

ये मीटिंग ऐसे वक्त में हुई, जब नई इंटरनेशनल ओलिंपिक काउंसिल अध्यक्ष कर्सी कोवेन्ट्री ने भविष्य के ओलिंपिक होस्ट बिडिंग प्रोसेस पर रोक लगा दी थी। आईओसी सदस्य चाहते हैं कि मेजबान देश के चुनाव में उनकी भूमिका ज्यादा हो, इसीलिए एक वर्किंग ग्रुप बनाकर नई प्रक्रिया तैयार की जाएगी। 2036 ओलिंपिक की दौड़ में भारत अकेला नहीं है। सऊदी अरब, इंडोनेशिया, तुर्किये (टर्की) और चिली जैसे देश भी मेजबानी की दौड़ में शामिल हैं। पिछले साल दावेदारी पेश की थी पिछले साल एक अक्टूबर को भारत सरकार ने लेटर ऑफ इंटेंट के जरिए आईओसी से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की थी।

भारत में ओलिंपिक भव्य आयोजन होगाः पीटी ऊषा

आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा, भारत में ओलिंपिक सिर्फ एक भव्य आयोजन नहीं होगा, यह पीढ़ियों तक असर डालने वाला ऐतिहासिक आयोजन होगा।

अहमदाबाद को क्यों चुना गया?

भारत की तरफ से ओलिंपिक में पहली बार आधिकारिक रूप से किसी शहर का नाम दिया गया है। भारत की ओलिंपिक कमेंटी ने कहा, अहमदाबाद में ओलिंपिक आयोजित करने से 60 करोड़ युवा भारतीयों को पहली बार देश में ओलिंपिक देखने का मौका मिलेगा। साथ ही भारत ने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देते हुए ओलिंपिक को दुनियाभर के लोगों के लिए एक परिवार जैसा अनुभव बनाया जाएगा। सपने को साकार करने की कोशिश कर रहेः हर्ष संघवी गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, हम आईओसी के साथ मिलकर इस साझा सपने को साकार करने की कोशिश में हैं। आने वाले महीनों में हम एक मजबूत साझेदार बनने के लिए तैयार हैं।

आईओसी का नया बदलाव

आईओसी की नई अध्यक्ष ने कहा, आईओसी के सदस्यों की मांग थी कि उन्हें चुनाव प्रक्रिया में बड़ी भूमिका दी जाए। इसी वजह से नई मेजबानी नीति पर पुनर्विचार करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाया जाएगा। भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। देश ने आखिरी बार 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इससे पहले भारत में 1982 और 1951 के एशियन गेम्स भी कराए जा चुके हैं।

वर्कलोड को मैनेज करने के लिए बुमराह को नहीं लिया गया : गिल

एजबेस्टन, 2 जुलाई। भारत और इंग्लैंड टेस्टसीरीज का दूसरा मैच बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर शुरू हो गया है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। भारत ने भारत ने बर्मिंघम टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे टेस्ट में नहीं खेल रहे हैं, जिसका कारण कप्तान शुभमन गिल ने बताया। दरअसल, बुमराह को वर्कलोड मैनेज करने के चलते आराम देने का फैसला किया गया है। उनकी जगह पेसर आकाशदीप को मौका मिला है। बुमराह पांच टेस्ट की सीरीज में केवल तीन मुकाबले खेलेंगे। इंग्लैंड सीरीज में 1-0 से आगे हैं। भारत को लीड्स में पांच विकेट से हार मिली थी। आकाशदीप के अलावा ऑलराउंड नितीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर की प्लेइंग इलेव में एंट्री हुई है। साई सुदर्शन और शार्दुल ठाकुर को बाहर कर दिया गया है। टॉस गंवाने के बाद कप्तान शुभमन ने कहा, हम भी पहले गेंदबाजी करना चाहते थे। अगर विकेट के कुछ है तो पहले दिन ही होगा। टीम में तीन बदलाव हुए हैं। रेड्डी, वॉशिंगटन और आकाशदीप आए हैं। बुमराह नहीं खेल रहे हैं। ये फैसला उनके वर्कलोड को मैनेज करने के लिए लिया गया है हमें अच्छा ब्रेक मिला और ये हमारे लिए एक अहम मैच है। तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में होने के कारण हमें लगता है कि उस पिच में और भी बहुत कुछ होगा, इसलिए हम उन्हें वहां इस्तेमाल करेंगे। हमारा कुलदीप यादव को खिलाने का मन था लेकिन बैटिंग में गहराई लाने का फैसला किया गया।

दूसरे टेस्ट में बाजू पर काली पट्टी बांधे उतरे भारत-इंग्लैंड के खिलाड़ी

एजबेस्टन, 2 जुलाई। भारत और इंग्लैंड दूसरे टेस्ट मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ी बाजू पर काली पट्टी बांधकर उतरे हैं। दोनों टीमों ने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर वेन लार्किंस के सम्मान में ऐसा किया है, जिनका कुछ दिन पहले निधन हो गया था। 28 जून को लार्किंस 71 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। बताया गया कि वो बीमारी से जूझ रहे थे। इससे पहले दोनों टीमों ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद लीड्स टेस्ट में भी बाजू परकाली पट्टी बांधकर संवेदना प्रकट की थी।वेन लार्किंस का निधन 28 जून को हुआ था, 1979 और 1991 के बीच उन्हें नेड के नाम से काफी पहचान मिली थी। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 टेस्ट और 25 वनडे मैच खेले थे। वो 1979 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भी खेले थे। जहां उन्होंने नंबर-7 पर बल्लेबाजी की और गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट भी चटकाए थे।

भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया

नॉर्थैम्प्टन, 2 जुलाई। कनिष्क चौहान (तीन विकेट/नाबाद 43) के हरफनमौला प्रदर्शन और वैभव सूर्यवंशी (86) की आतिशी पारी की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 33 गेंदे शेष रहते इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है। 269 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अंडर-19 टीम के लिए कप्तान अभिज्ञान कुंडु और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट अभिज्ञान कुंडु (12) रन के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने वैभव सूर्यवंशी के साथ मोर्चा संभाला। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 31 गेंदों में नौ छक्के और छह चौके लगाते हुए (86) रन बनाये। वैभव के रूप में भारत का जब दूसरा विकेट गिरा स्कोर आठ ओवरो में 111 रन था। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मौलयारजसिंह चावड़ा बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। विहान मल्होत्रा 34 गेंदों में (46), राहुल कुमार (27) और हरवंश पंगालिया (11) रन बनाकर आउट हुये। कनिष्क चौहान (नाबाद 43) और अमब्रिश (नाबाद 31) शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए भारत को 34.3 ओवर में 274 रन बनाकर चार विकेट से जीत दिला दी।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 77 रन से हराया

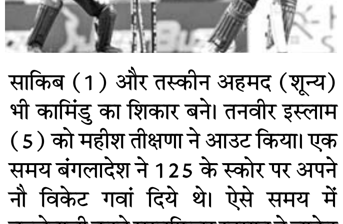

कोलंबो, 2 जुलाई। कप्तान चरित असलंका (106) की शतकीय पारी के बाद वानिंदु हसरंगा (चार विकेट) और कामिंडु मेंडिस (विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पहले दिन-रात्रि एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार को बंगलादेश को 77 रनों से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

245 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश का पहला विकेट परवेज हुसैन इमॉन (13) के रूप में गिरा। उन्हें ए फर्नांडो ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नजमुल शान्तो ने तंजिद हसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 71रनों की साझेदारी की। 17वें ओवर में नजमुल शान्तों (23) के रनआउट होने से यह साझेदारी टूटी। इसी ओवर में वानिंदु हसरंगा ने लिटन कुमार दास को बिना खातो खोले ही पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर में ही हसरंगा ने तंजिद हसन को आउटकर बंगलादेश को बड़ा झटका दिया। तेजिद हसन ने 61 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (62) रनों की पारी खेली।

पांचवें विकेट के रूप में मो. तौहीद हृदोय (एक) को कामिंडु ने बोल्ड आउट किया। 20वें ओवर में हसरंगा ने कप्तान मेहदी हसन मिराज (शून्य) का पगबाधा आउटकर बंगलादेश की कमर तोड़ दी। तंजीम हसन साकिब (1) और तस्कीन अहमद (शून्य) भी कामिंडु का शिकार बने। तनवीर इस्लाम (5) को महीश तीक्षणा ने आउट किया। एक समय बंगलादेश ने 125 के स्कोर पर अपने नौ विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में बल्लेबाजी करने मुस्तफिजुर रहमान ने जाकेर अली के साथ पारी को संभाला। इस दौरान जाकेर अली ने 59 गेंदों में चार चौके और चार छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। 36वें ओवर की पांचवीं हसरंगा ने जाकेर अली (51) के स्कोर पर पगबाधा कर बंगलादेश की पारी का 167 के स्कोर पर अंत कर मुकाबला 77 रनों से जीत लिया। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने 7.5 ओवर में 10 रन देकर चार विकेट लिये। कामिंडु मेंडिस ने पांच ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट झटके। असिता फर्नांडो और महीश तीक्षणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 29वें ओवर में तनवीर इस्लाम ने कुसल मेंडिस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

सोने कार्टल विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंची

लंदन, 2 जुलाई। ब्रिटिश टेनिस स्टार सोने कार्टल ने आज बुल्गारिया की विक्टोरिया टोमोवा पर मात्र 67 मिनट में 6-2, 6-2 से शानदार जीत दर्ज करके लगातार दूसरे साल विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। ब्रिटिश नंबर 3, जिन्होंने पहले दौर के रोमांचक तीन सेटों के मुकाबले में 20वीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको को हराया था, ने कोर्ट 3 पर शानदार प्रदर्शन किया। वर्तमान में विश्व में 51वें स्थान पर काबिज की 22 वर्षीय खिलाड़ी कार्टल ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा।

जोकोविच शारीरिक समस्याओं पर काबू पाकर विंबलडन के दूसरे दौर में, ज्वेरेव हारे

लंदन, 2 जुलाई। नोवाक जोकोविच शारीरिक समस्याओं पर काबू पाकर विंबलडन के दूसरे दौर में जानिक सिनर के साथ शामिल हो गए, लेकिन तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को फ्रांसीसी आर्थर रिंडरकनेच ने चौंका दिया।

सात बार के चैंपियन जोकोविच, जो सेमीफाइनल में सिनर से भिड़ सकते थे, ने सेंटर कोर्ट पर फ्रांसीसी अलेक्जेंडर मुलर को 6-1 6-7 (7-9) 6-2 6-2 से हराकर रिकॉर्ड 25वें मेजर खिताब की अपनी नवीनतम खोज शुरू की। सर्बियाई खिलाड़ी तीसरे सेट में शुरुआत में संघर्ष करते दिखे - बाद में उन्होंने पुष्टि की कि पेट में कुछ गड़बड़ थी - लेकिन मेडिकल टाइमआउट के बाद उन्होंने अपनी फॉर्म को फिर से हासिल किया और अंतिम 12 गेम में से 10 गेम जीते। जोकोविच ने कहा, मैं डेढ़ सेट के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ से लगभग 45 मिनट के लिए अपने सबसे खराब दौर में पहुंच गया। यह पेट में दर्द था या नहीं, मुझे नहीं पता। मैंने इससे संघर्ष किया, लेकिन ऊर्जा वापस आ गई और मैं मैच को अच्छे नोट पर समाप्त करने में सफल रहा। जोकोविच ने टूर्नामेंट से पहले कहा कि उनका मानना है कि विंबलडन उनके लिए कार्लोस अल्काराज और जानिक सिनर के वर्चस्व को बाधित करने और अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका है।

7 अगस्त से जयपुर में शुरू होगा लेजेंजी टी-10 का घमासान

जयपुर, 2 जुलाई। बहुप्रतीक्षित लेजेंजी टी10 लीग का आयोजन 7 अगस्त से 13 अगस्त तक जयपुर के सवाई मानसिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में किया जाएगा। इस लीग का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों और भारत की बेहतरीन लोकल प्रतिभाओं को एक साथ लाना है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हर्शल गिब्स, रॉस टेलर, तिलकरत्ने दिलशान, इरफान पठान, यूसुफ पठान और एरोन फिंच छह फ्रेंचाइज़ी टीमों का नेतृत्व करेंगे। यह अपने तरह का पहला टी10 टूर्नामेंट होगा जिसमें वैश्विक अनुभव और स्थानीय जुनून का मेल देखने को मिलेगा।

लीग के चेयरमैन और पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ वेंकटेश प्रसाद ने कहा कि, "इस लीग को धरातल पर लाने में महीनों की मेहनत और योजना लगी है। कच्ची प्रतिभा को पहचानने से लेकर अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों को जोड़ने तक, लेकिन फिलहाल अब सब कुछ तैयार है। ये 74 भारतीय खिलाड़ी, जो देशभर की गलियों और सड़कों से ट्रायल्स के जरिए चुने गए हैं, अब अपने पसंदीदा क्रिकेटरों के साथ मैदान पर उतरने का सपना साकार करने वाले हैं। कभी जिन्हें वे सिर्फ टीवी पर देखा करते थे, आज वही खिलाड़ी उनके साथी बन चुके हैं। यह बदलाव हमारी टैगलाइन गली से टीवी तक की असली भावना है।

हेडिंग्ले में दो शतक लगाकर रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंचे पंत

दुबई, 2 जुलाई। हेडिंग्ले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले ऋषभ पंत टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने इस टेस्ट में 134 और 118 रनों की पारियां खेली थीं, जिससे रैंकिंग में उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ। हालांकि यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नहीं है। उन्होंने 2022 में टेस्ट रैंकिंग में पांचवां स्थान हासिल किया था।

पंत के अब कुल 801 रेटिंग अंक हो गए हैं, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग अंक है। हालांकि वह अब भी नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज जो रूट से 88 अंक पीछे हैं। रूट ने हेडिंग्ले में पहली पारी में 28 और दूसरी पारी में नाबाद 53 रन बनाए थे। पिछले मैच में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ बेन डकेट करियर की सर्वश्रेष्ठ 787 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बारबाडोस टेस्ट में दोनों पारियों में अर्धशतक लगाकर तीन स्थान की छलांग लगाई और वह अब शीर्ष-10 में हैं। हेड ने पहली पारी में 59 और दूसरी पारी में 61 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी।

हेडिंग्ले में पांच विकेट लेकर जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड ने बारबाडोस टेस्ट की दूसरी पारी में 43 रन देकर 5 विकेट झटके थे। वह एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने पहली पारी में 60 रन देकर

विश्व मुक्केबाजी कप-अस्थाना : मीनाक्षी, पूजा रानी ने भारत के लिए दो पदक सुनिश्चित किये

अस्थाना, 2 जुलाई। मीनाक्षी (48 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में जीत के साथ विश्व मुक्केबाजी कप-अस्थाना, कजाकिस्तान 2025 के तीसरे दिन भारत के लिए दो पदक तय कर दिए। मीनाक्षी ने चीनी ताइपे की गुओ यी-ज़ुआन पर 5:0 की शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की, उन्होंने पूरे मैच में शानदार मूवमेंट और क्लीन स्कोरिंग दिखाई। पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में कजाकिस्तान की गुलसाया येरज़ान पर 4:1 के स्प्लिट डिसीजन से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने फाइनल चार में जगह बनाई और पोडियम फिनिश की गारंटी दी। इससे पहले दिन में अनामिका (51 किग्रा) ने तुर्की की आयसेन तस्किन के खिलाफ संयमित प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिससे भारत की लय बरकरार रही। पुरुषों के ड्रॉ में, जदुमणि सिंह ने एक करीबी मुकाबले में कड़ी टक्कर दी, लेकिन फिलीपींस के जे ब्रायन बारिकुआत्रो से मामूली अंतर से हार गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया। तीसरे दिन दो पदक हासिल करने और कई मुक्केबाजों के दावेदार होने के साथ, टीम इंडिया अस्ताना लेग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखे हुए है।

भारत से बाहर हो सकता है एशिया कप 2025

नई दिल्ली, 2 जुलाई। एशिया कप 2025 की मेजबानी इस बार भारत के पास है। लेकिन एशिया कप होगा या नहीं और इसमें पाकिस्तान खेलेगा या नहीं इस पर स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। हालांकि, इस पर अब दो अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बड़े दावे गए हैं। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण एशिया कप पर सस्पेंस बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया कप को लेकर सस्पेंस की स्थिति के कारण से टूर्नामेंट के स्पॉन्सर्स और मीडिया पार्टनर्स की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। इसे लेकर एशियन क्रिकेट काउंसिल ने बीसीसीआई को खत लिखा है। दूसरी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टूर्नामेंट 5 सितंबर से भारत से बाहर कराया जा सकता है। 7 सितंबर को चिरप्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत हो सकती है।

दिया कुमारी द्वारा वूमन प्रीमियर क्रिकेट लीग के पोस्टर का विमोचन

जयपुर, 2 जुलाई। वीरांगना वेलफेयर की ओर से वूमन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 का आयोजन 3 से 6 जुलाई तक जय क्लब में किया जाएगा। इसी कड़ी में आज वूमन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 का पोस्टर विमोचन उपमुख्यमत्री दिया कुमारी द्वारा निवास स्थान सिविललाईन पर किया। चार दिन के इवेंट में अलग-अलग टीम के साथ 9 मैच होंगे। जीतने वाली टीम को 21000 का इनाम सर्टिफिकेट दिया जायेगा। वीरांगना वेलफेयर की अध्यक्ष सीमा राठौड़ ने बताया कि महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को क्रिकेट की दुनिया में एक मंच प्रदान करने और उनकी प्रतिभा को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से इस प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रीमियर लीग जय क्लब के मैदान में आयोजित होगी। जिसकी शुरूआत 3 जुलाई से शाम 6 बजे होगी। इस अवसर पर उपमुख्यमत्री दिया कुमारी ने कहा कि वीरांगना वेलफेयर का यह प्रयास महिला खिलाडिय़ों को खेल की दुनिया में नई पहचान दिलाएगा। साथ ही उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलेगा, जो कि सराहनीय पहल है।

जयपुर जिले की सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल टीम के चयन हेतु ट्रायल 6 जुलाई को

जयपुर, 2 जुलाई। राजस्थान फुटबाल संघ सब जूनियर गर्ल्स की स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता उदयपुर में जुलाई माह के अंत तक आयोजित करने जा रहा है। इसमें भाग लेने वाली जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु एक ट्रायल का आयोजन आगामी 6 जुलाई (रविवार) को चौगान स्टेडियम, जयपुर में आयोजित की जा रही है। अब्दुल जब्बार ने बताया कि सब जूनियर गर्ल्स प्रतियोगिता के लिए 2012 और 2013 में जन्मे खिलाड़ी और उनका आधार कार्ड जयपुर जिले का है यानी कि वह जयपुर जिले के निवासी हैं वह इस ट्रायल में भाग लेने के लिए पात्र हैं। सभी इच्छुक खिलाड़ियों को रविवार 6 जुलाई (रविवार) को सुबह 7 बजे तक चौगान स्टेडियम के फुटबॉल मैदान पर ट्रायल हेतु रिपोर्ट करनी है। ट्रायल में भाग लेने हेतु सभी इच्छुक खिलाड़ियों को 5 जुलाई तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है अन्यथा उन्हें ट्रायल में भाग लेने नहीं दिया जाएगा। संपर्क सूत्र - अब्दुल ज़ब्बार (9928369917), डॉ दिलीप सिंह चुंडावत(9314441705)

राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का झुंझुनूं में आगाज

जयपुर, 2 जुलाई। राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन के तत्वावधान में झुंझुनू फुटबॉल एसोसिएशन प्रतियोगिता आयोजित करवा रहा है। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि हर्षिनी कुलहरि जिला अध्यक्ष भाजपा एवं जिला प्रमुख झुंझुनू विशंभर पूनिया, राष्ट्रीय परिषद सदस्य नरेंद्र खीचड़, पूर्व सांसद अजय चाहर, पार्षद नगर पालिका बगड़, दिलीप सिंह शेखावत सचिव राजस्थान फुटबाल संघ, महेंद्र बिजारणिया सचिव जिला फुटबॉल संघ झुंझुनू थे। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता में पहला राउंड लीग प्रारूप रहा। कल लीग के बाकी मैच ओर क्वाटर फाइनल खेले जाएंगे। उद्घाटन मैच भीलवाड़ा वर्सेस बीकानेर के मध्य खेला गया जिसमें बीकानेर 5-0 से विजय रहा । दूसरा मैच नागौर वर्सेस सीकर के मध्य खेला गया जिसमें 4-1 से नागौर विजय रहा। तीसरा मैच बीकानेर वर्सेस गंगानगर के मध्य खेला गया जिसमें बीकानेर 5-3 से विजेता रहा । चौथा मैच सीकर वर्सेस राजसमंद के मध्य खेला गया जिसमें राजसमंद 2-1 से विजय रहा ।

राजस्थान की बेटियों ने रचा इतिहास

प्रथम अंडर-18 यूथ नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप में रजत पदक पर कब्जा

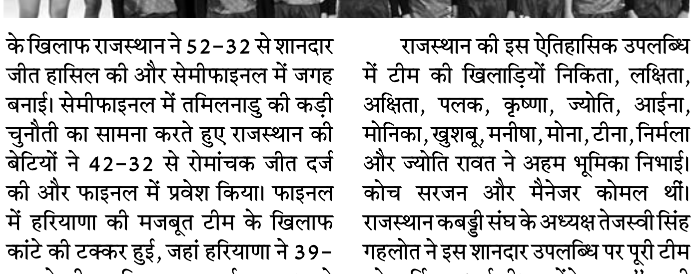

जयपुर, 2 जुलाई। हरिद्वार, उत्तराखंड में 28 जून से 1 जुलाई 2025 तक आयोजित प्रथम अंडर-18 यूथ नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में राजस्थान की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया। इस रोमांचक टूर्नामेंट में राजस्थान की बेटियों ने अपनी प्रतिभा, जज्बे और एकजुटता का शानदार प्रदर्शन किया, जिसने पूरे देश का ध्यान खींचा। राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने बताया कि राजस्थान की टीम ने अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की।

पहले मैच में केरल की टीम को 71-14 के विशाल अंतर से हराकर टीम ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इसके बाद दूसरे मैच में तेलंगाना को 55-11 और तीसरे मैच में कर्नाटक को 51-28 से मात देकर राजस्थान ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र की मजबूत टीम के खिलाफ राजस्थान ने 52-32 से शानदार जीत हासिल की और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में तमिलनाडु की कड़ी चुनौती का सामना करते हुए राजस्थान की बेटियों ने 42-32 से रोमांचक जीत दर्ज की और फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में हरियाणा की मजबूत टीम के खिलाफ कांटे की टक्कर हुई, जहां हरियाणा ने 39-35 से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हालांकि, राजस्थान की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

राजस्थान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि में टीम की खिलाड़ियों निकिता, लक्षिता, अक्षिता, पलक, कृष्णा, ज्योति, आईना, मोनिका, खुशबू, मनीषा, मोना, टीना, निर्मला और ज्योति रावत ने अहम भूमिका निभाई। कोच सरजन और मैनेजर कोमल थीं। राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने इस शानदार उपलब्धि पर पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, "हमारी बेटियों ने न केवल राजस्थान का गौरव बढ़ाया है बल्कि यह भी साबित किया है कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अनोखी धाम सेवा समिति द्वारा 10 जुलाई को पत्रकार कॉलोनी (मानसरोवर) के अनोखी धाम (श्री हनुमंत स्वरूप नीब करौरी महाराज) में आयोजित होने वाले गुरू पूर्णिमा महोत्सव के पोस्टर का बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर विमोचन किया। इस दौरान अनोखी धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद रहे।

संभाग में भारी वर्षा के कारण कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी

चंबल पर बने सभी बाँधों से पानी लगातार छोड़ा जा रहा है, नदी-नाले उफान पर

कोटा संभाग में भारी वर्षा के बाद कोटा बैराज के 5 गेट खोल कर पानी की निकासी की गई।

कोटा, (निसं), 02 जुलाई। संभाग के चारों जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ने लगे हैं। बीती रात तेज बारिश के बाद कई शहरों और कस्बों की निचली बस्तियों में पानी भर गया। इससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर नदी-नाले उफान पर हैं और चंबल से जुड़े बांधों से बड़े स्तर पर पानी छोड़ा जा रहा है।

हालात को देखते हुए कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी किया गया है। इस साल के शुरू से ही चंबल नदी पर बने बांधों से पानी की निकासी जारी है। बुधवार को राणा प्रताप सागर बांध के गेट पहली बार खोले गए। डैम में 1.25 लाख क्यूसेक पानी का इनफ्लो है ऐसे में 33 हजार क्यूसेक पानी गेट से और 6100 क्यूसेक पानी मशीन से छोड़ा गया। यानी कुल 39 हजार क्यूसेक की निकासी हो रही है। डैम लगभग 98.30 प्रतिशत भर चुका है। इसकी क्षमता 1157.50 फीट है और इस समय जलस्तर 1156.56 फीट पहुंच चुका है। इसी तरह जवाहर सागर डैम से भी कुल 63,276 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

■ **राणा प्रताप सागर बाँध से 39 हजार क्यूसेक, जवाहर सागर बाँध से 51 हजार क्यूसेक व कोटा बैराज से 75 हजार क्यूसेक पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। केवल गांधी सागर बाँध में अभी 22.65 फीट पानी आना बाकी है।**

जल संसाधन विभाग के फ्लड कंट्रोल रूम की प्रभारी सहायक अभियंता निकिता पारेता ने बताया कि कोटा बैराज से भी 75,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज की क्षमता 854 फीट है जिसे फिलहाल 852 फीट पर मेंटेन किया गया है। कोटा बैराज के पांच गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। आरएमसी कैनाल में 15 और एलएमसी कैनाल में 50 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। निकिता पारेता ने बताया कि निकासी की मात्रा मौसम के अनुसार बढ़ाई भी जा सकती है।

हाड़ौती के दूसरे बांध, कालीसिंध नदी के भीमसागर डैम से 9270 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसी तरह उजाड़ नदी पर स्थित भीम सागर डैम से 1100 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गांधी सागर बांध का फुल गेज 1312 फिट है लेकिन वर्तमान में यह 1289.35 फीट ही भरा हुआ है। ऐसे में अभी उसमें काफी पानी आना शेष है। गांधी सागर डैम की क्षमता 7164.95 मिलियन क्यूबिक मीटर है वर्तमान में उसमें पानी 3607.35 एमसीएम है, फिलहाल वह आधा खाली है।

भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े मेजा बाँध में 10 फीट पानी आया

मूसलाधार वर्षा से भीलवाड़ा शहर के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भरा

■ **ग्रामीण क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में छत से टपकता पानी बिजली बोर्ड पर गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। बच्चों को बिजली के झटके लगने लगे, प्रिसिंपल ने तुरंत कार्यवाही कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।**

भीलवाड़ा, 02 जुलाई, (निसं)। जिलेभर में बुधवार को कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार बारिश का दौर दिनभर जारी रहा।

शहर की निचली बस्तियों, अण्डरब्रिज व बस स्टेण्ड मार्ग सहित कई मार्गों में पानी भरा होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। मांडल क्षेत्र के सबसे बड़े मेजा बांध में भी बारिश से पानी की आवक लगातार जारी है। भीलवाड़ा जिले के इस सबसे बड़े बांध में अब तक 10 फीट पानी पहुंच चुका है, बागोर क्षेत्र में सुबह से ही बारिश के कारण और अधिक पानी की आवक की संभावनाएं जताई जा रही है।

मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम और यूआईटी की पोल खोलकर रख दी। भीलवाड़ा के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भर गया। दूसरी और मेजा बांध का जलस्तर बढ़ा है।

बारिश से पुलिस लाइन, यूआईटी के सामने, यातायात पुलिस चौकी, रामधाम के सामने, चन्द्रशेखर आजाद नगर सहित, शहर के सभी अण्डरपास में पानी भर गया, जिससे लोगों को घण्टों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। इस मौसम की पहली जोरदार बारिश से रोडवेज बस स्टेण्ड से रामस्नेही अस्पताल के बाहर तक तीन फीट पानी भर गया और बस स्टेण्ड के आस-पास बनी नालियों व नाले का कचरा सड़कों पर आ गया। नगर निगम के बाहर भी कई जगह आधा फुट तक पानी भरा हुआ है।

नगर निगम और यूआईटी की लापरवाही से शहर में कई जगह सड़कें दुकानों और मकानों से ऊंची हो गई हैं जिस कारण मकानों और दुकानों में पानी घुसने लगा है। शहर में कई स्थानों पर तेज आंधी-तूफान के कारण करीब तीन घण्टे बिजली गुल रही जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिले के मांडल में मानसून एक बार फिर मेहरबान हुआ है। सुबह से ही बारिश का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक जारी है। लगातार बारिश के कारण हाइवे पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भीलवाड़ा की रायला उप तहसील के बैरा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव इंदिरा कॉलोनी राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बुधवार सुबह जैसे ही बारिश शुरू हुई तो छत टपकने लगी, इस समय विद्यालय के कमरों में बच्चे मौजूद थे। धीरे-धीरे बिजली बोर्ड पर पानी गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। दीवारों के पास बैठे बच्चों को बिजली के झटके लगने से हो-हल्ला मच गया।

प्रिंसिपल ज्योति जांगिड़ दौड़कर आईं और सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और ग्रामवासियों को सूचना दी, तुरंत लाइट को बंद करवा कर अधिकारियों को सूचना दी गईं। अधिकारियों ने तत्काल बिजली का कनेक्शन काट दिया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

राहुल गांधी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सार्वजनिक निर्माण विभाग संभाल रहे हैं।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जो राहुल गांधी की कार्यशैली और राजनीतिक सोच से परिचित हैं, ने बताया कि इससे पार्टी में भारी अटकलों का दौर चल पड़ा है।

और भी रोचक बात यह है कि इन नेताओं का कद जितना बढ़ा है, कांग्रेस की स्थिति उतनी ही कमजोर होती गई है।

"एक पद, एक व्यक्ति" का सिद्धांत राहुल गांधी के करीबी नेताओं पर लागू नहीं होता।

जैसे, कृष्णा अल्लूवेरा बिहार जैसे अहम चुनावी राज्य के प्रभारी हैं और साथ ही युवा कांग्रेस के भी प्रभारी हैं।

अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग नियम लागू हो रहे हैं।

एक बंद दरवाजे वाली व्यवस्था बना दी गई है, जिसमें कुछ खास लोगों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है, भले ही उन्होंने पार्टी को ऊपर उठाने में कोई ठोस योगदान न दिया हो।

भंवर जितेन्द्र सिंह हर उस राज्य में असफल रहे, जहां उन्हें जिम्मेदारी दी गई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार पदोन्नत किया जा रहा है।

राहुल गांधी को इन सवालों के जवाब देने होंगे, खासकर उनकी कोर टीम के कई सदस्यों के प्रदर्शन को लेकर।

यूक्रेन के लुहांस्क पर रूस का पूर्ण नियंत्रण

तीन साल तक चले युद्ध के बाद, अंततः रूस को मिली एक बड़ी सफलता

■ **रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध विराम की संभावनाओं को खारिज कर दिया है।**

मॉस्को/कीव, 02 जुलाई। यूक्रेन के कब्जे वाले लुगांस्क क्षेत्र में रूस की ओर से नियुक्त एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मॉस्को की सेनाओं ने पूरे क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। यह उन चार इलाकों में से एक है, जिसे रूस ने सितंबर 2022 में यूक्रेन से अवैध रूप से हड़प लिया था। हालांकि, अब तक इन इलाकों में से एक पर भी रूस का पूरा नियंत्रण नहीं था।

अगर मामले की पुष्टि होती है तो लुहांस्क तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के बाद रूस की ओर से पूरी तरह से कब्जाया गया पहला यूक्रेनी क्षेत्र बन जाएगा। अमेरिका के नेतृत्व में किए गए शांति बहाली के प्रयासों के आगे न बढ़ पाने के बीच यह बहुत बड़ी खबर दुनिया के सामने आ रही है। यह खबर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति बहाली की कोशिशों के लिए झटका है। इसके अलावा, इससे इस संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध विराम की संभावनाओं को सिरे से नकार दिया है। वे अपनी शर्तों से समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इन शर्तों में अवैध रूप से कब्जा किए गए चार क्षेत्रों पर मॉस्को का नियंत्रण भी शामिल है। हालांकि, कब्जे वाले क्षेत्र के लिए मॉस्को की ओर से नियुक्त नेता लियोनिद पासेचनिक के दावे पर कीव की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। सोमवार शाम को प्रसारित रूस के सरकारी टीवी चैनल वन पर बयान देते हुए पासेचनिक ने कहा कि उन्हें दो दिन पहले ही एक रिपोर्ट मिली थी, जिसमें कहा गया था कि 100 प्रतिशत क्षेत्र अब रूसी सेना के नियंत्रण में है।

इंडिया ब्लॉक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग के उस नए निर्देश का भी विरोध किया, जिसमें कहा गया है कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आयोग के दफ्तर में प्रवेश कर सकते हैं। सिंघवी ने कहा, पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आ सकते हैं।

इस तरह की पाबंदी से आयोग और राजनीतिक दलों के बीच जरूरी संवाद नहीं हो पाएगा।

बाँग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना को 6 माह की जेल

■ **अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायाधिकरण ने अदालत की अवमानना के आरोप में यह सज़ा सुनाई है।**

ढाका, 02 जुलाई। निर्वासन के बाद भारत में रह रहीं बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने अदालत की अवमानना के लिए बुधवार को छह महीने जेल की सजा सुनाई।

'डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष सोशल मीडिया पर प्रसारित हसीना से जुड़ी कथित लीक फोन बातचीत की समीक्षा करने के बाद आज यह आदेश पारित किया।

ऑडियो क्लिप में हसीना कथित तौर पर गोविंदगंज उपजिला के पूर्व अध्यक्ष शकील अकांदा बुलबुल से कहती सुनाई दे रही हैं,मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। न्यायाधिकरण ने इस बयान को अवमाननापूर्ण और अदालत को कमजोर करने का सीधा प्रयास माना। गैबांधा के गोविंदगंज से आवामी लीग के छात्र सहयोगी प्रतिबंधित छात्र लीग के नेता बुलबुल को उनकी भूमिका के लिए दो महीने जेल की सजा सुनाई गई है। न्यायाधिकरण के सूत्रों के अनुसार, सजा तभी प्रभावी होगी, जब दोषी अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे या कानून प्रवर्तकों द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

सरकार ने आपदा अलर्ट सिस्टम शुरु किया

■ **सिस्टम की टैस्टिंग शुरु हो गई है, सभी के मोबाइल में अलर्ट भेजा जा रहा है, पर इससे घबराने की जरुरत नहीं है।**

नई दिल्ली, 02 जुलाई। अगर आने वाले दिनों में आपके मोबाइल में भी कोई अलर्ट का मैसेज आए, जिसमें लिखा हो कि ये एक टैस्ट मैसेज है, तो आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है। दरअसल, ये मैसेज भारत सरकार के टेलीकॉम मंत्रालय की एक तैयारी का हिस्सा है, ताकि सरकार समय रहते आम लोगों को किसी आपदा या इमर्जेंसी की सूचना लोगों तक पहुंचा सके। दूरसंचार विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर देशभर में मोबाइल के जरिए अलर्ट सिस्टम को मजबूत बना रहे हैं।

हाल ही, में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक नया इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम (सचेत) शुरू किया है, जिसे सी-डीओटी ने तैयार किया है। इस सिस्टम को इंटरनेशनल टेलिकॉम यूनियन की गाइडलाइन के हिसाब से बनाया गया है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा चुका है।

'नास्तिक साम्यवादी पार्टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बल्कि तिब्बती जनता की धार्मिक संप्रभुता को भी पुनः स्थापित करती है। वर्षों से दलाई लामा व चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच विवाद चला आ रहा है कि अगला दलाई लामा कौन होगा।

पूर्व में वर्तमान दलाई लामा ने तिब्बत के एक सुदूर गांव के पांच वर्षीय बालक को दलाई लामा का अवतार घोषित किया था। लेकिन जैसे ही उसका नाम सार्वजनिक हुआ, चीनी अधिकारियों ने उसे अगवा कर लिया, और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला।

उस घटना के बाद दलाई लामा ने कहा कि अगला अवतार "मुक्त विश्व" में होगा और समय आने पर वह प्रकट किया जाएगा। बाद में उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि शायद वे अंतिम दलाई लामा हों, जिसे बीजिंग के लिए शांति के संकेत के रूप में देखा गया था। दलाई लामा ने अब तिब्बती लोगों व उनके धर्म पर नियंत्रण के चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के दावे पर प्रहार किया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि एक नास्तिक कम्युनिस्ट पार्टी को यह अधिकार नहीं है कि वह तिब्बती लोगों के लिए आध्यात्मिक नेता नियुक्त करे।

यह विवाद भारत को भी अप्रत्यक्ष रूप से लपेट सकता है। क्योंकि चीन को यह बात खलती है कि भारत ने अभी भी दलाई लामा को शरण दे रखी है और उन्हें तिब्बती जनता पर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रभाव बनाए रखने की स्वतंत्रता भी दे रखी है। भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि दलाई लामा एक सम्मानित धार्मिक नेता हैं और देश की जनता उन्हें अत्यधिक सम्मान देती है।

तिब्बती जनता की निष्ठा को लेकर चीन और दलाई लामा के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है।

यह संघर्ष सिर्फ धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं है, यह तिब्बत पर राजनीतिक नियंत्रण और वहां के लोगों की पहचान को मिटाने के प्रयास का हिस्सा भी है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी वर्षों से हान चीनी नागरिकों को तिब्बत में बसाकर तिब्बत के मूल निवासियों की पहचान को मिटाने की मुहिम चला रही है।

इसके साथ ही, तिब्बत में अनेक बार जनविद्रोह हुए हैं, जिन्हें सीपीसी ने बेरहमी से दबा दिया है। ये विद्रोह तिब्बती जनता की असहमति और पीड़ा की अभिव्यक्ति थे।

इससे पहले दलाई लामा ने कहा था कि जब वे अपने 90वें जन्मदिन के करीब होंगे, तब वे इस पद के उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया व उद्देश्य की समीक्षा करेंगे।

अब, इस रविवार को अपने 90वें जन्मदिन के अवसर पर, धर्मशाला से उन्होंने औपचारिक घोषणा की है कि अगला दलाई लामा उनकी परिषद और पारंपरिक तिब्बती धार्मिक परंपराओं के अनुसार नामित किया जाएगा।

ईरान ने फोर्डो एटॉमिक सैंटर पर काम शुरु किया

उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है

■ **ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र को अमेरिका की बमबारी से भारी नुकसान हुआ था।**

तेहरान, 2 जुलाई। ईरान ने पिछले महीने अपने परमाणु संयंत्रों पर की गई अमेरिकी बमबारी के बाद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार टेक्नोलॉजीज की उपग्रह छवियों से उस संयंत्र तक पहुंचने के लिए एक नई सड़क के निर्माण और उपकरणों की तैनाती का पता चला है। उपग्रह द्वारा ली गयी तस्वीरों के अनुसार, ईरान अपने इस प्रमुख परमाणु संयंत्र में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए रात-दिन काम कर रहा है और उपग्रह तस्वीरों में पहाड़ पर फोर्डो संयंत्र की ओर जाने वाली एक नई बनी सड़क दिख रही है। इसके साथ ही वहां कई वाहन भी दिख रहे हैं जिनमें एक उत्खनन वाहन और एक मोबाइल क्रेन शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान (आईएसआईएस) के एक विश्लेषण का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया था कि उत्खनन वाहन संभवतः भूमिगत संयंत्र को हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए कैमरों या कर्मचारियों को नीचे उतारने के लिए स्टेजिंग एरिया तैयार कर रहा था। सोमवार को आईएसआईएस अध्यक्ष डेविड अलब्राइट ने कहा कि मैक्सार की तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान बम-प्रभावित दो स्थलों पर नीचे की ओर निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।

पहली बार सुप्रीम कोर्ट में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीनियर पर्सनल असिस्टेंट के 94 स्वीकृत पदों में 14 पद एस सी, 6 पद एस टी के लिए आरक्षित होंगे तथा 74 पद अनारक्षित होंगे।

असिस्टेंट लाइब्रेरियन के 20 पदों में 3 पद एस सी तथा 1 पद एस टी के लिए आरक्षित होगा। जूनियर कोर्ट असिस्टेंट के 437 पदों में 65 पद एस सी, 32 पद एस टी के लिए आरक्षित रहेंगे तथा 340 पद अनारक्षित होंगे। जूनियर कोर्ट असिस्टेंट-कम-जूमियर प्रोग्रामर के 20 पदों में एस सी के लिए 3 तथा एस टी के लिए 1 पद आरक्षित होगा। जूनियर कोर्ट अटैन्टेंड के 600 पदों के लिए आरक्षण 200 प्लस क्रमांक के अनुसार दिया जायेगा। चैम्बर अटैन्डेंट के 105 पदों में 16 पद एस सी के लिए, 8 पद एस टी के लिए आरक्षित तथा 85 पद अनारक्षित होंगे।

प्रत्येक रोस्टर में, आदेश की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए फ्रैक्शनल एनटाइटलमेंट का पूरा ध्यान रखा जायेगा। उदाहरण के लिए, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट के पदों पर 7वां, 15वां, 20वां, 27वां पद के लिए आरक्षित है, जबकि 14वां, 28वां, 40वां पद के लिए आरक्षित किया गया है।

रोस्टर्स के साथ ही, दस्तावेज़ का भाग प्रत्येक पद के लिए इनिशियल आरक्षण रजिस्टर भी प्रस्तुत करता है, जो यह दिखाता है कि किस पद पर किस श्रेणी का व्यक्ति नियुक्त हुआ है। ये रजिस्टर अद्यतन दस्तावेज़ के रूप में कार्य करेंगे और हर भर्ती चक्र में अपडेट किए जाएंगे।

24 जून को जारी परिपत्र सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों और रजिस्ट्रारों को भेजा गया है, जिसमें कर्मचारियों को "सुपनैट" (कोर्ट की आंतरिक नेटवर्क प्रणाली) पर अपलोडेड आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर देखने का निर्देश दिया गया है।

यदि किसी कर्मचारी को सूची में कोई त्रुटि या आपत्ति हो, तो उसे रजिस्ट्रार (भर्ती) को औपचारिक शिकायत देने का प्रावधान रखा गया है, जिससे उनकी शिकायत का समाधान हो सके।

रिज़र्वेशन रोस्टर के अलावा, सर्वोच्च न्यायालय के सभी कर्मचारियों को भेजे गये सर्कुलर में लिखा गया है : "सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार, सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि मॉडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर "सुपनैट" पर अपलोड कर दिए गए हैं और ये 23.06.2025 से प्रभावी हैं।"

ओला, ऊबर, रेपिडो को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति

नयी दिल्ली, 02 जुलाई। सरकार ने ओला, उबर, रैपिडो जैसी सभी कैब सेवाओं को व्यस्त समय में दोगुना किराया वसूलने की अनुमति दी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2025 के लिए एक जुलाई को जारी मोटर वाहन एग्रिगेटर दिशा निर्देशिका में इस आशय की अनुमति प्रदान की है। राज्य सरकारें इसके आधार पर अपने नियम अलग बना सकती हैं और इसके लिए उन्हें तीन महीने का समय दिया गया है। नये दिशा-निर्देशों के अनुसार, एग्रीगेटर्स को गैर-व्यस्त समय के दौरान बेस किराया से कम से कम 50 प्रतिशत कम चार्ज करना आवश्यक है। अब ये कैब एग्रीगेटर्स पीक टाइम में बेस किराये का दोगुना तक किराया वसूल सकते हैं।

आरएसएस व मोदी-शाह द्वय के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **संघ परिवार भी चौराहे पर खड़ा है और दुविधा में है। एक तरफ उस नेता के प्रति वफादारी का सवाल है, जो चुनाव की दृष्टि से सबसे सफल नेता साबित हुआ है तथा दूसरी ओर सवाल है, पार्टी में "आइडियोलॉजिकल व संगठनात्मक" संतुलन बैठाने का, 2029 के चुनाव से पहले।**

अनुसार बैठक में, भाजपा और संघ के बीच मोदी के नेतृत्व के दौरान निरंतर बिगड़ते संबंधों पर भी खुलकर चर्चा होगी।

एक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों की आंतरिक समीक्षा ने संघ नेतृत्व को "गंभीर रूप से निराश किया है।" भले ही भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए फिर से सत्ता में आया, लेकिन भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला और मोदी की व्यक्तिगत छवि को भी आघात पहुँचा। सूत्र ने कहा, "हमने दो कार्यकालों तक मोदी का पूरा समर्थन किया, लेकिन अब मूल कार्यकर्ताओं और पारंपरिक समर्थकों के बीच बढ़ती नाराज़गी को अनदेखा नहीं किया जा सकता।"

संघ के भीतर यह धारणा बढ़ रही है कि भाजपा में शक्ति के अत्यधिक केंद्रीकरण, जो अब लगभग पूरी तरह मोदी-शाह तक सीमित है, ने जमीनी कार्यकर्ताओं और वैचारिक निष्ठावान लोगों को हाशिए पर धकेल दिया है। संघ के कई सदस्यों का मानना है कि हाल की राज्य स्तर की नियुक्तियाँ संगठनात्मक योग्यता या वैचारिक प्रतिबद्धता के बजाय केवल मोदी के प्रति व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर की गई हैं।

यह असंतोष केवल वैचारिक नहीं है। कुछ प्रचारकों का मानना है कि आंतरिक लोकतंत्र के क्षरण और वैचारिक मूल्यों की अनदेखी ने भाजपा को कुछ प्रमुख राज्यों में चुनावी नुकसान पहुँचाया है। संघ के भीतर "नीति में सुधार" की चर्चाएं अब ज़ोर पकड़ने लगी हैं, विशेषकर ऐसे समय में जब संगठन अपनी शताब्दी वर्ष की तैयारी कर रहा है, जिसे कई लोग भाजपा के साथ संबंधों की रणनीतिक पुनर्समीक्षा के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आरएसएस और मोदी-शाह नेतृत्व इस आंतरिक संकट को कैसे संभालते हैं। भले ही खुले टकराव की संभावना कम हो, लेकिन आने वाले महीनों में संदेशों, नियुक्तियों और चुनावी रणनीतियों में बदलाव इस दिशा का संकेत दे सकते हैं।

फिलहाल, संघ परिवार एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ वह अपने सबसे सफल चुनावी नेतृत्व के प्रति वफादारी और 2029 के आम चुनावों से पहले संगठनात्मक व वैचारिक संतुलन बहाल करने की आवश्यकता के बची फंसा हुआ है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908